देश की ज़िद
कोरोना को हराना है

डेमोक्रेटिक फ्रंट

15 दिसंबर से 31 दिसंबर 2021

देश की ज़िद
कोरोना को हराना है

वर्ष : 1 | अंक- 01 | कुल मुद्रित पृष्ठ : 04 | रविवार | लोकतंत्र की आवाज | Email : democraticfront2021@gmail.com | democraticfront.com | RNI: HARMIN11362 | मूल्य : 2 रुपये

आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ा जाना; सम्भावित दुरूपयोग से इंकार नहीं

चुनाव आयोग द्वारा आधार डेटा के सहारे मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने का एक पायलट प्रॉजेक्ट शुरू

डेमोक्रैटिक फ्रंट /चंडीगढ़ : आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की बात जब से शुरू हुई है, तभी से इसके संभावित दुरुपयोग की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इन्हीं आशंकाओं की वजह से इसका विरोध भी देखा जा रहा है। 2015 में चुनाव आयोग की तरफ से आधार डेटा के सहारे मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने और दोहराव मिटाने का एक पायलट प्रॉजेक्ट शुरू किया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इस पहल पर रोक लगा दी थी।

विपक्ष के विरोध और उसकी ओर से व्यक्त की जा रही आशंकाओं के बीच जिस हड़बड़ी में चुनाव सुधार (संशोधन) विधेयक 2021 संसद के दोनों सदनों में पारित किया गया, वह अच्छी मिसाल नहीं पेश करता। आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की बात जब से शुरू हुई है, तभी से इसके संभावित दुरुपयोग की आशंकाएं जताई जा रही हैं। इन्हीं आशंकाओं की वजह से इसका विरोध भी देखा जा रहा है। 2015 में चुनाव आयोग की तरफ से आधार डेटा के सहारे मतदाता सूची से फर्जी नाम हटाने और दोहराव मिटाने का एक पायलट प्रॉजेक्ट शुरू किया गया था। मगर सुप्रीम कोर्ट ने इस पहल पर रोक लगा दी थी। यह बात बार-बार स्पष्ट होती रही है कि आधार

कार्ड का इस्तेमाल पते के सबूत के रूप तो किया जा सकता है, लेकिन इसे किसी की नागरिकता का प्रमाण नहीं करार दिया जा सकता।

हालांकि मौजूदा विधेयक में आधार नंबर को वोटर आईडी कार्ड से जोड़ने की व्यवस्था को ऐच्छिक रखा गया है और इसी आधार पर सरकार इसके विरोध को अनावश्यक बता रही है, लेकिन इससे उस हड़बड़ी का औचित्य नहीं साबित होता जो बिल पास करने में दिखाई गई है। राज्यसभा में इसे विपक्ष के वॉकआउट के बाद पारित किया गया। लोकसभा में भी इस पर ठीक से बहस नहीं हो सकी। विपक्षी सांसदों को संशोधन सुझाने का मौका नहीं मिला। कई नेता कहते पाए गए कि विपक्ष के 12 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित करने का संभवतः यही उद्देश्य था कि राज्यसभा से यह बिल विपक्ष के विरोध के बावजूद आसानी से पारित करा लिया जाए। चुनाव सुधार की एक महत्वपूर्ण पहल को लेकर विपक्ष में इस तरह का अविश्वास बनने देना संसदीय लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है।

दिलचस्प यह भी है कि कानून मंत्री ने विधेयक का समर्थन करते हुए विपक्षी सदस्यों की यह कहकर आलोचना की कि वे इस विधेयक को समझ ही नहीं पाए हैं। अगर इस आलोचना को सच मान लिया जाए, तब भी क्या सरकार के लिए यह जरूरी नहीं था कि ऐसे तमाम सदस्यों को विधेयक समझने का पूरा मौका देती, उनके साथ विस्तृत बातचीत और बहस चलाकर उन्हें पूरी जानकारी मुहैया कराती, उनकी आशंकाएं दूर करती? ऐसी ही हड़बड़ी में बनाए गए कृषि कानूनों ने सरकार को कितनी असुविधाजनक स्थिति में डाला और कैसे कृषि सुधार के अजेंडे को पीछे की ओर धकेल दिया, यह सब देख चुके हैं। खुद प्रधानमंत्री ने तीनों कानून वापस लेते हुए इस बात पर अफसोस जताया कि सरकार किसानों को समझा नहीं पाई।

ऐसे में यह और ज्यादा जरूरी था कि चुनाव सुधार जैसे महत्वपूर्ण कदम पर सरकार सावधानी बरतती। संसदीय लोकतंत्र में असहमति के लिए तो हमेशा गुंजाइश रहती है, इसे हर कीमत पर बनाए भी रखना चाहिए, लेकिन संदेहों और आशंकाओं को पलने देना ठीक नहीं होता।

इस ट्वीट का ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय समुदाय पर गलत असर पड़ने की आशंका- भारतीय उच्चायोग

स्वर्ण मंदिर में व्यक्ति की हत्या के पीछे एक 'हिंदू आतंकवादी' का हाथ

डेमोक्रेटिक फ्रंट स्टाफ
दिल्ली/पंचकूला : स्वर्ण मंदिर की घटना का वीडियो ब्रिटिश अधिवक्ता हरजप भांगल ने पोस्ट किया था। इस वीडियो पर कमेंट करते हुए लेबर पार्टी की सांसद प्रीत कौर गिल ने इसे आतंकवाद की घटना बता दिया। फिर इसे हिंदू आतंकी से जोड़ दिया। लेकिन जब उन्हें इस गलत तथ्य पर विरोध होता दिखा तो उन्होंने अपने ट्वीट को डिलीट कर दिया। इंटरनेट मीडिया में ब्रिटिश सांसद के इस कृत्य को सांप्रदायिक वैमनस्य फैलाने का प्रयास बताया जा रहा है। लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग ने इस ट्वीट की निंदा की है और इसका ब्रिटेन में रहने वाले भारतीय समुदाय पर गलत असर पड़ने की आशंका जताई है।

सिखों की आस्था के सबसे बड़े केंद्र अमृतसर स्थित श्री हरिमंदिर साहिब में शनिवार शाम श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी का प्रयास करने वाले 22 वर्षीय युवक को पीट-पीट कर मार डाला गया। दरअसल श्री हरिमंदिर साहिब के मुख्य भवन में रहिरास (शाम को किया जाने वाला श्री गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ) के दौरान एक युवक श्री गुरु ग्रंथ साहिब तक पहुंच गया। श्री गुरु ग्रंथ साहिब के आगे सुरक्षा के तौर पर जंगला

ब्रिटेन की पहली सिख महिला सांसद प्रीत कौर गिल उस ट्वीट को लेकर सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का शिकार हो गईं, जिसे उन्होंने बाद में डिलीट कर दिया था। गिल ने ट्वीट में स्वर्ण मंदिर में व्यक्ति की हत्या के पीछे एक 'हिंदू आतंकवादी' का हाथ होने की ओर इशारा किया था। ब्रिटिश आव्रजन अधिवक्ता हरजाप भंगल द्वारा स्वर्ण मंदिर में शनिवार को हुई कथित बेअदबी की घटना संबंधी वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए लेबर पार्टी की सांसद गिल ने उनके इस संदेश पर सहमति जतायी कि "यह स्पष्ट रूप से एक आतंकी घटना थी।"

लगाया गया है। इसके अंदर सिर्फ पाठी ही बैठ सकते हैं। श्रद्धालुओं की कतार में शामिल युवक अपनी बारी आने पर मुख्य भवन के अंदर पहुंचा और अचानक सुरक्षा के लिए लगाए गए जंगले को पार करते हुए गुरु ग्रंथ साहिब की ओर बढ़ा। इससे अंदर अफरातफरी मच गई।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के कर्मियों (सेवादारों) और टास्क फोर्स के कर्मियों ने युवक को पकड़कर बाहर खींचा और पीटते-पीटते एसजीपीसी के कार्यालय तक ले गए। पिटाई के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया। इसके बाद श्री हरिमंदिर साहिब के आसपास भारी संख्या में पुलिस तैनात कर दी गई।

15 दिसंबर को एक व्यक्ति ने श्री हरिमंदिर साहिब के पवित्र सरोवर में अपनी जेब से गुटका साहिब निकाल कर फेंक दिया था। इस घटना के आरोपित को भी पकड़ कर पुलिस के हवाले किया गया था। वह आरोपित लुधियाना का था और मानसिक रूप से परेशान था। पुलिस ने मामला दर्ज करके उसे उसी दिन जेल भेज दिया था।

पीयूष जैन के बाद अब रानू मिश्रा के यहाँ छापा

डेमोक्रेटिकफ्रंट-लखनऊ (ब्यूरो) : यूपी के कन्नौज में एक इत्र कारोबारी के घर जीएसटी की विजिलेंस टीम के छापे की खबर है। जानकारी के मुताबिक कन्नौज शहर के होली मोहल्ला स्थित बड़े इत्र कारोबारी रानू मिश्रा के घर और कारखानों में विजिलेंस टीम जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि रानू मिश्रा, पान मसाला और नमकीन बनाने वाली कंपनियों को इत्र कम्पाउंड की सप्लाई करते हैं। ऐसे में कानपुर के कारोबारी पीयूष जैन के बाद यह दूसरी कार्रवाई है। वहीं दूसरी तरफ कानपुर में इत्र कारोबारी पीयूष जैन के घर छापा मारने के बाद विजिलेंस टीम कन्नौज पहुंची है। बताया जा रहा है कि इत्र कारोबारी पीयूष जैन के दो बेटों को लेकर टीम कन्नौज पहुंची है जहां वो गुरुवार को सील किए मकान का ताला खोलकर सर्च ऑपरेशन शुरू कर चुकी है।

गौरतलब है कि पीयूष जैन कनौज के बड़े व्यापारियों में शुमार हैं। वे 40 से ज्यादा कंपनियों के मालिक हैं. इनमें से दो कंपनियां मिडिल ईस्ट में हैं। कन्नौज में पीयुष की परफ्यूम फैक्ट्री, कोल्ड स्टोरेज और पेट्रोल पंप भी हैं। मुम्बई में पीयुष का हैड ऑफिस है साथ ही वहां उनका एक बंगला भी है। पीयूष जैन इत्र का सारा बिजनेस मुंबई से करते हैं, यहीं से इनका इत्र विदेशों में भी भेजा जाता है।

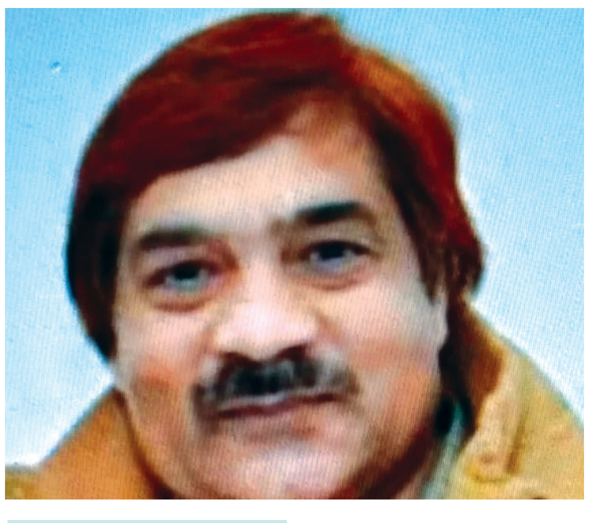

कन्नौज में इत्र व्यापारी पीयूष जैन के बाद एक और इत्र व्यापारी रानू मिश्रा के यहां छापा पड़ा है। खबरों के अनुसार रानू का घर टीम ने अंदर से बंद कर रखा है और उनके घर में खोजबीन की जा रही है। वहीं पीयूष के घर भी अब भी अधिकारी मौजूद हैं और तलाशी ले रहे हैं।

इनकम टैक्स को टैक्स चोरी के अलावा शेल कंपनियां बनाकर मोटी-रकम इधर-उधर करने के दस्तावेज मिले हैं। खबरों के अनुसार पीयूष जैन अखिलेश यादव के करीबी हैं। कहा जा रहा है कि उन्हीं के संरक्षण में इतना सबकुछ चल रहा था।

उधर, इस मामले के सामने आने के बाद से राजनीति भी बढ़ गई है। सपा के प्रवक्ता अनुराग भदौरिया ने ट्वीट कर लिखा है कि डबल इंजन की सरकार में लूट भी डबल हो गई। कानपुर का व्यापारी भी बीजेपी की हिस्सेदारी का ही आदमी है। बीजेपी का काला मन है इसीलिए वो जबरदस्ती व्यापारी को समाजवादी से जोड़ रही है। समाजवादी का व्यापारी के न इत्र से न बीजेपी के मित्र से कोई लेना देना नहीं। इससे पहले भाजपा के संबित पात्रा ने इस केस को लेकर समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा था।

चंडीगढ़ में भी टैक्स फ्री हो "83"

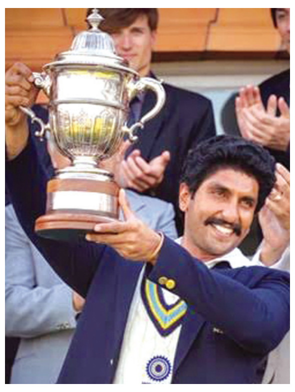

डेमोक्रेटिकफ्रंट : 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप जीत पर बनी फिल्म '83' 24 दिसंबर को रिलीज होने वाली है. फिल्म की रिलीज से पहले दिल्ली सरकार ने इसे टैक्स फ्री कर दिया है, इस पर टिप्पणी करते हुए शहर के उद्योगपति के एस भाटिया ने कहा चंडीगढ़ ने क्रिकेट जगत को हीरा दिया तो अब चंडीगढ़ प्रशासन व पंजाब सरकार क्यों फ़िल्म 83 को टैक्स फ्री करने में देरी लगा रहा है । गौरतलब है कि कपिल देव भाटिया के स्टार्टअप पंपकार्ट के ब्रांड अम्बेसडर रह चुके हैं। भाटिया का कहना है कि टैक्स फ्री होने पर चंडीगढ़ व पंजाब की जनता बड़ी संख्या में अपने शहर के हीरो की फ़िल्म बड़ी स्क्रीन पर देख पाएगी ।

सोनिया गांधी से मांगी इच्छा मृत्यु की आज्ञा

डेमोक्रेटिक फ्रंट राजस्थान/ उत्तर प्रदेश : यूपी के हरदोई जिले के एक कांग्रेसी नेता ने पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी को पत्र भेजकर पति-पत्नी और पौत्रों की इच्छा मृत्यु की अनुमति राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से दिलाने की मांग की है। उनका कहना है कि उनके बेटे और बहू को फर्जी मुक़दमे में फंसा कर जेल में डाल दिया गया है और यह सब कुछ तब हुआ जब राहुल गांधी पार्टी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सचिन पायलट ने वहां पर आत्महत्या को हत्या का रूप दे दिया। पीड़ित ने मांग करते हुए कहा है कि राजस्थान सरकार उनके बेटे की जमानत पर भी पहरा लगाए हैं। परिवार ने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें अनुमति नहीं मिली तो वे राजस्थान विधानसभा पहुंचकर पहुंचकर आत्मदाह कर लेंगे।

हरदोई के मूल निवासी डॉ श्यामप्रकाश शुक्ला कांग्रेस पार्टी के पूर्व महासचिव और प्रवक्ता रहे हैं और कई अन्य पदों पर भी उन्होंने अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनका बेटा प्रज्ञा प्रतीक शुक्ला श्री जैन आदर्श विद्या निकेतन इंटर कॉलेज नोखा बीकानेर में प्राचार्य थे और उनकी

हरदोई के मूल निवासी डॉ श्यामप्रकाश शुक्ला कांग्रेस पार्टी के पूर्व महासचिव और प्रवक्ता रहे हैं और कई अन्य पदों पर भी उन्होंने अपनी सेवाएं दी हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनका बेटा प्रज्ञा चिह्न जैन आदर्श विद्या निकेतन इंटर कॉलेज नोखा बीकानेर में प्राचार्य थे और उनकी बहू प्रिया शुक्ला अध्यापिका थीं। 27 मार्च 2016 को एक लड़की जो उसी कॉलेज में पढ़ती थी, पीटीआई बृजेंद्र सिंह के आवास से आपत्तिजनक हालत में पायी गई थी। विद्यालय के प्राचार्य होने के नाते उसी परिसर में निवास होने के कारण उनके बेटे ने पीटीआई को समझा-बुझाकर माफीनामा लिखवा लिया था, क्योंकि प्राचार्य होने के नाते यही किया जा सकता था।

बहू प्रिया शुक्ला अध्यापिका थीं। 27 मार्च 2016 को एक लड़की जो उसी कॉलेज में पढ़ती थी, पीटीआई बृजेंद्र सिंह के आवास से आपत्तिजनक हालत में पायी गई थी। विद्यालय के प्राचार्य होने के नाते उसी परिसर में निवास होने के कारण उनके बेटे ने पीटीआई को समझा-बुझाकर माफीनामा लिखवा लिया था, क्योंकि प्राचार्य होने के नाते यही किया जा सकता था।

जिसके बाद 28 मार्च 2016 को उस लड़की ने परिसर में बने पानी के टैंक में कूदकर आत्महत्या कर ली थी। कांग्रेसी नेता का आरोप है कि छात्रा के पिटाई के साथ बहुत पहले से उसके शारीरिक संबंध थे जो कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी दर्शाया गया है। उस समय नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी की श्री जैन आदर्श विद्या निकेतन के चेयरमैन ईश्वरचंद की व्यक्तिगत दुश्मनी थी। इसी कारण उन्होंने विधानसभा राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष होने के कारण बदला लेने की नीयत पर सरकार को घेरा और उस समय 13 अप्रैल 2016 को राहुल गांधी प्रदेश और कांग्रेस अध्यक्ष सचिन पायलट के साथ लड़की के गांव गए और आत्महत्या को हत्या का रूप दे दिया।

उन्होंने कहा कि 8 अक्टूबर 2021 को मेरे बेटे प्रज्ञा प्रतीक शुक्ला व पुत्रवधू प्रिया शुक्ला को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दबाव में हरिजन एक्ट के तहत बीकानेर की अदालत के जज ने 6 वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाकर 20000 का जुर्माना लगाकर जेल भेज दिया है।

उन्होंने मांग की है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से हम पति-पत्नी और पौत्रों की इच्छा मृत्यु का आदेश दिलवाने अथवा हम सभी लोगों को गोली मरवाने का आदेश दिला दें, क्योंकि हमारे बेटे की जमानत पर भी पहरा राजस्थान सरकार लगाए हैं। उन्होंने कहा कि नहीं तो राजस्थान विधानसभा पहुंच कर आत्मदाह कर लेंगे।

तीसरी लहर की भविष्यवाणी के चलते की राज्यों ने नाइट कर्फ्यू लगाया

डेमोक्रेटिकफ्रंट पंचकुला : देश में कोरोना वायरस के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के प्रसार को देखते हुए हरियाणा सरकार ने पाबंदियों का ऐलान किया है। राज्य में रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक नाइट कर्फ्यू लगाने का फैसला किया गया है तो सार्वजनिक स्थानों पर 200 से अधिक लोगों के जुटने पर रोक लगा दी गई है। हरियाणा से पहले मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश जैसे बीजेपी शासित राज्यों ने भी नाइट कर्फ्यू की घोषणा कर दी है।

राज्य में कोरोना से निपटने के लिए तैयारियों की समीक्षा बैठक के बाद खट्टर ने कहा, "राज्य में ओमिक्रॉन केसों के बढ़ने की संभावना को देखते हुए और लोगों की सुरक्षा को देखते हुए 1 जनवरी 2022 से सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में प्रवेश के लिए वैक्सीन की दोनों खुराक को अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा सार्वजनिक स्थानों पर 200 से अधिक लोगों के एकत्रित होने और रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक गाडियों की आवाजाही को सख्ती से बैन कर दिया गया है।"

खट्टर ने कहा, "ओमिक्रॉन के प्रभाव को रोकने के लिए जरूरी है कि लोगों को और अधिक जागरूक बनाया जाए। सभी को टीकाकरण

सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। कोविड के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग को तैयारी पूरी कर लेनी चाहिए। 23 दिसंबर को दो लाख से अधिक लोगों को कोविड वैक्सीन की दूसरी खुराक मिली। इसके अलावा हर दिन 30 से 32 हजार मरीजों की जांच की जा रही है और जो पॉजिटिव पाए जा रहे हैं उनकी जीनोम स्वीकेंसिंग कराई जा रही है।"

हरियाणा सरकार ने लोगों को क्रिसमस का त्यौहार और नए साल का जश्न मनाने की छूट देते हुए 1 जनवरी से नाइट कर्फ्यू लागू करने के आदेश दिए हैं। हरियाणा सरकार के रात्रि कर्फ्यू के दौरान रात 11 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक आवागमन पूरी तरह से बंद रहेगा। इसके साथ ही 1 जनवरी से हरियाणा के सराकरी संस्थानों में एंट्री करने के लिए वैक्सीनेशन की दोनो डोज को अनिवार्य बना दिया गया है।

हरियाणा और गुजरात से पहले यूपी सरकार की तरफ से राज्य में नाइट कर्फ्यू लगाने का फैसला लिया गया है। सरकार की तरफ से जारी आदेश में 25 दिसंबर से रात्रि 11 बजे से लेकर सुबह 5 बजे तक कोरोना कर्फ्यू लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं शादी-विवाह आदि सार्वजनिक आयोजनों में कोविड प्रोटोकॉल के साथ अधिकतम 200 लोगों के भागीदारी की अनुमति दी गई है। आयोजनकर्ता इसकी सूचना स्थानीय प्रशासन को देंगे।

मध्य प्रदेश सरकार ने भी तीसरी लहर की आशंका के चलते राज्य में नाइट कर्फ्यू को लागू कर दिया है। कर्फ्यू रात 11 बजे से सुबह 5 बजे तक जारी रहेगा. सरकार की तरफ से कोरोना संक्रमण से बचने के लिए नई गाइडलाइंस भी जारी की गई है। नए आदेश के बाद सभी सिनेमाहॉल, मल्टीप्लेक्स, थियेटर, जिम, कोचिंग सेंटर, क्लब और स्टेडियम में 18 साल से अधिक उम्र के सिर्फ वो ही लोग प्रवेश पा सकेंगे जिन्हें वैक्सीन की दोनों डोज लग चुकी हैं। सभी विभागाध्यक्षों, ऑफिस हेड को ये देखना होगा कि उनके स्टाफ ने वैक्सीन की दोनों डोज लगवायीं या नहीं। अगर नहीं लगवायीं तो उन्हें ऐसा करने के प्रेरित करें।

शोधकर्ताओं ने संभावित तीसरी लहर की भविष्यवाणी के लिए भारत में कोरोना की पहली और दूसरी लहर के आंकड़ों और और अलग-अलग देशों में ओमिक्रोन के बढ़ते मामलों का भी इस्तेमाल किया है। रिसर्च करने वाली टीम में आईआईटी कानपुर की गणित और सांख्यिकी विभाग के सबरा प्रसाद राजेशभाई, सुभरा शंकर धर और शलभ शामिल थे। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर के रुझानों के बाद आईआईटी कानपुर के प्रोजेक्ट में कहा गया कि भारत में तीसरी लहर दिसंबर के मध्य में शुरू हो सकती है और ये फरवरी की शुरुआत में चरम पर होगी। बता दें कि शोधकर्ताओं ने तीसरी लहर की भविष्यवाणी करने के लिए गौसियन मिक्सचर मॉडल नाम के सांख्यिकीय उपकरण का इस्तेमाल किया था। गौरतलब है कि गुरुवार को पीएम मोदी ने कोविड-19 संक्रमण को लेकर एक समीक्षा बैठक की थी। केंद्र की इस बैठक में कोविड टास्क फोर्स के सदस्य भी शामिल हुए थे। इसके साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से राज्यों को पत्र लिखा गया है जिसमें संक्रमण से बचने के लिए सख्ती लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

गौरतलब है कि गुरुवार को पीएम मोदी ने कोविड-19 संक्रमण को लेकर एक समीक्षा बैठक की थी। केंद्र की इस बैठक में कोविड टास्क फोर्स के सदस्य भी शामिल हुए थे। इसके साथ ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से राज्यों को पत्र लिखा गया है जिसमें संक्रमण से बचने के लिए सख्ती लागू करने के निर्देश दिए गए हैं।

योगी को दोबारा सीएम बनाने के लिए अमित शाह का यूपी दौरा शुरू

रैलियों और रोड शो से यूपी चुनाव का बिगुल

डेमोक्रेटिकफ्रंट दिल्ली/लखनऊ : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जल्द ही उत्तर प्रदेश की एक लंबी चुनावी यात्रा पर निकलेंगे, जिसमें विभिन्न जिलों में सार्वजनिक रैलियों और रोड शो आयोजित की जाएगी। अमित शाह का यूपी दौरा रविवार से शुरू होगा। राज्य भाजपा के एक पदाधिकारी के मुताबिक, 26 से 31 दिसंबर के बीच शाह 10 रैलियों और कई रोड शो में शामिल होंगे। पार्टी पहले से ही जन विश्वास यात्राएं निकाल रही है, जिसमें केंद्रीय मंत्री, भाजपा के राष्ट्रीय नेता, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्य सरकार के अन्य मंत्री हर दिन विभिन्न जिलों में कई जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं।

अमित शाह ने हाल ही में लखनऊ में निषाद पार्टी के साथ एक संयुक्त रैली की थी, जहां उन्हें अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) के वोटों के लिए एक मजबूत पिच बनाते देखा गया था। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनावी राज्य उत्तर प्रदेश में लगातार परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं।

यूपी में अमित शाह की भागीदारी

महत्वपूर्ण है क्योंकि यूपी प्रभारी के रूप में यह उनकी जिम्मेदारी थी कि पार्टी ने लोकसभा की 80 सीटों में से 73 सीटें जीतीं। 2017 और 2019 दोनों चुनावों के दौरान, शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे।

अमित शाह की रैलियों का उद्देश्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में बात करने और विपक्ष पर हमला करने के अलावा जमीनी स्तर पर संगठनात्मक तंत्र को बढ़ावा देना होगा। पिछले महीने, शाह ने संगठन की व्यापक बैठक की अध्यक्षता की थी और उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र के अध्यक्षों को चुनाव प्रचार का मंत्र दिया था।

चिन्तन मनन

सम्पादकीय ..

सरकार को आर्थिक मोर्चे पर गम्भीर प्रयास करने की ज़रूरत

अब जबकि भारतीय जनता पार्टी सरकार जिसके दूसरे कार्यकाल का आधा समय पूरा हो चुका है, की सत्ता वापसी बड़े बड़े वादों के साथ हुई थी और नरेन्द्र मोदी भारी बहुमत के साथ सत्तासीन हुए ,तब समय आ गया है कि देखा जाए कि क्या सरकार अपेक्षाओं पर खरी उतरी है।

मई 2019 में सत्ता में वापसी करने वाली मोदी सरकार का आत्मविश्वास शुरुआती समय में चरम पर था और उसने कई ऐसे काम किए, जो इतिहास में दर्ज किए जाएंगे। लेकिन कुछ चुनौतियां भी समक्ष आईं जैसे कि शाहीन बाग, अब कृषि कानूनों और किसान आंदोलन । अब जब ये कानून निरस्त हो चुके हैं, तब किसानों से अन्य मसलों पर भी उसे बात करनी चाहिए। यही लोकतंत्र का तकाजा भी है। लेकिन बात करना तो दूर सरकार संसद में सवालों के जवाब नहीं दे रही। अगर सरकार संसद में सवालों से बचने का प्रयास करती है, तो उसका सीधा अर्थ यही होता है कि वह अपनी जवाबदेही से बच रही है।

जनरुचि को परिष्कृत करना मीडिया का कर्तव्य

मीडिया का काम जनरुचि को परिष्कृत करना और सकारात्मक बातों के प्रति रुझान पैदा करना भी होता है. लेकिन, मीडिया समाज की सामूहिक सोच को विकृत करने और उसे बाज़ारू बनने पर आमादा है, क्योंकि उपभोक्तावाद का यही तक़ाज़ा है. हमारा मीडिया बाज़ारवाद को बढ़ावा देने वाला कारगर औजार साबित हुआ है. मीडिया नित नये उत्पादों की ज़रूरत पैदा करने, और फिर उनकी बिक्री बढ़ाने का माध्यम मात्र बनकर रह गया है. वह आम आदमी की चिन्ताओं को कारगर ढंग से पेश नहीं करके, उनकी आपराधिक उपेक्षा कर रहा है. वह उच्च वर्ग में शामिल होने को आतुर मध्यम वर्ग का नुमाइन्दा ज़्यादा नज़र आता है.

लगभग पूरा मीडिया अपने पाठकों-श्रोताओं को तटस्थ सूचनाओं और निष्पक्ष विश्लेषण से वंचित रखकर समाचार और विचार में पूर्वग्रह ठूँस रहा है. वह उत्पादों को महिमामण्डित करने में जुटा है. उसकी यह भूमिका एक बड़े अशुभ की चेतावनी है. वह पाठकों को अपनी सुविधा से सामग्री परोसता है. परोसने की इस शैली का उद्देश्य पाठकों के दीर्घकालिक हितों की रक्षा करना कम, विज्ञापनदाताओं के हितों की रक्षा करना ज़्यादा है. दूसरी तरफ वह ग्रामीण क्षेत्र की घोर उपेक्षा कर रहा है. ऐसा वह अनजाने में नहीं, जानबूझ कर कर रहा है. ग्रामीणों की कौन-सी समस्याएँ हैं, इसकी बहुत कम चिन्ता मीडिया को है.

वर्तमान में, पूरा भारतीय समाज पश्चिम के सांस्कृतिक हमले और आर्थिक घुसपैठ की चपेट में है. वह दरक रहा है. विडम्बना यह है कि लगभग पूरा मीडिया इस हमले और घुसपैठ को रोकने तथा पाठक को उससे आगाह करने की बजाय ख़ुद उसका वाहक बन बैठा है. चूँकि, ज़्यादातर मीडिया-मालिक वही हैं, जो उस घुसपैठ से लाभान्वित हो रहे हैं, इसलिए वे पहरुए की भूमिका निभाने में पूरी तरह नाकाम रहे हैं.

ज़्यादातर अख़बार और चैनल सियासी बयानबाजी, नेताओं की ऊलजलूल हरकतों, लफ़्फ़ाजियों और झूठी घोषणाओं तथा छवासवीर तथाकथित समाजसेवियों की विज्ञप्तियों से पटे होते हैं. जीवन के हर क्षेत्र में क्षुद्र राजनीतिक दख़लन्दाजी जिस ख़तरनाक हद तक बढ़ी है, उसका प्रतिकार करने में मीडिया नाकाम रहा है. देश की आबादी का एक बड़ा हिस्सा न तो विज्ञापनदाता है, और न ही नित नये विज्ञापनों से 'कृतार्थ' होने की हालत में हैं. इसलिए अख़बारों और चैनलों में यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि इस वर्ग के दीर्घकालिक हितों को पोषित करने वाली सामग्री को समुचित तयशुदा स्थान अनिवार्यतः मिले. इसके लिए, यदि कोई कानून भी बनाना पड़े, तो बनाया जाना चाहिए.

भविष्य में पश्चिम का बाज़ार और ज़्यादा हावी होगा, सांस्कृतिक हमला और ज़्यादा तेज होगा. नतीजतन हमारे मूल्य तिरोहित होंगे, समाज विखण्डित होगा. और, कुल मिलकर हम कमज़ोर होंगे. अन्देशा इस बात का है कि मीडिया अपने मौजूदा चरित्र को पकड़े रहने पर आमादा रहेगा. मात्र पाठकीय दबाव ही ऐसा अकेला जरिया है, जिसके बूते मीडिया को सही रस्ते पर लाया जा सकता है. इस लिए, भविष्य के वास्ते पाठकों की दोहरी ज़िम्मेदारी है कि वे, न केवल उस ख़तरे से ख़ुद आगाह रहें, बल्कि मीडिया की दशा और दिशा को भी नियन्त्रित रखें.

मानो न मानो

तीन सौ बरस के हैं तेलंग स्वामी

वाराणसी की गलियों में एक दिगम्बर योगी घूमता रहता है गृहस्थ लोग उसके नग्न वेश पर आपत्ति करते हैं फिर भी पुलिस उसे पकड़ती नहीं वाराणसी पुलिस की इस तरह की तीव्र आलोचनाएं हो रही थीं आखिर वारंट निकालकर उस नंगे घूमने वाले साधू को जेल में बंद करने का आदेश दिया गया।

पुलिस के आठ-दस जवानों ने पता लगाया, मालूम हुआ वह योगी इस समय मणिकर्णिका घाट पर बैठा हुआ है। जेष्ठ की चिलचिलाती दोपहरी जब कि घर से बाहर निकलना भी कठिन होता है एक योगी को मणिकर्णिका घाट के एक जलते तवे की भाँति गर्म पत्थर पर बैठे देख पुलिस पहले तो सकपकायी पर आखिर पकड़ना तो था ही वे आगे बढ़े। योगी पुलिस वालों को देखकर ऐसे मुस्करा रहा था मानों वह उनकी सारी चाल समझ रहा हो। साथ ही वह कुछ इस प्रकार निश्चिन्त बैठे हुये थे मानों वह वाराणसी के ब्रह्मा हों किसी से भी उन्हें भय न हो। मामूली कानूनी अधिकार पाकर पुलिस का दरोगा जब किसी से नहीं डरता तो अनेक सिद्धियों सामर्थ्यों का स्वामी योगी भला किसी से भय क्यों खाने लगा तो भी उन्हें बालकों जैसी क्रीड़ा का आनन्द लेने का मन तो करता ही है यों कहिए आनंद की प्राप्ति जीवन का लक्ष्य है बाल सुलभ सरलता और क्रीड़ा द्वारा ऐसे ही आनंद के लिए "श्री तैलंग स्वामी" नामक योगी भी इच्छुक रहे हों तो क्या आश्चर्य ?

पुलिस मुश्किल से दो गज पर थी कि तैलंग स्वामी उठ खड़े हुए ओर वहाँ से गंगा जी की तरफ भागे। पुलिस वालों ने पीछा किया। स्वामी जी गंगा में कूद गये पुलिस के जवान बेचारे वर्दी भीगने के डर से कूदे तो नहीं, हाँ चारों तरफ से घेरा डाल दिया कभी तो निकलेगा साधु का बच्चा- लेकिन एक घंटा, दो घंटा, तीन घंटा-सूर्य भगवान् सिर के ऊपर थे अब अस्ताचलगामी हो चले किन्तु स्वामी जी प्रकट न हुए कहते हैं उन्होंने जल के अंदर ही समाधि ले ली। उसके लिये उन्होंने एक

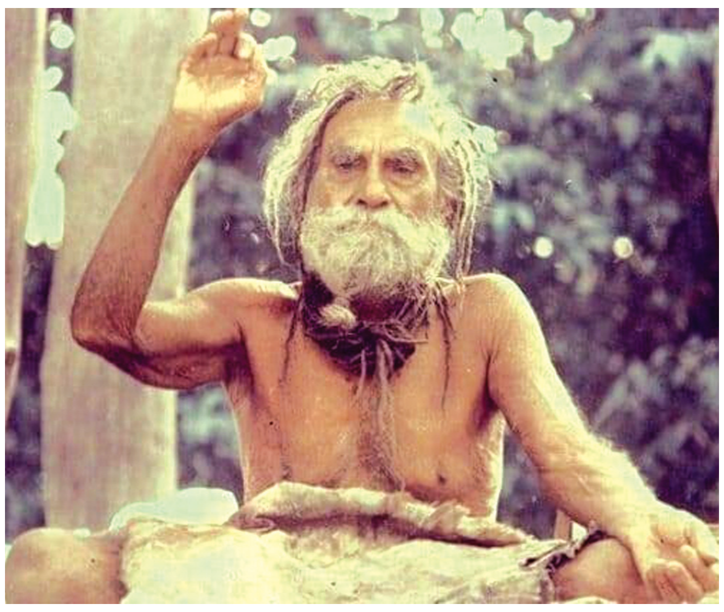

> मनुष्य शरीर एक यंत्र, प्राण उसकी ऊर्जा, ईंधन आदि शक्ति, मन इंजन और ड्राइवर चाहे जिस प्रकार के अद्भुत कार्य लिए जा सकते हैं इस शरीर से भौतिक विज्ञान से भी अद्भुत पर यह सब शक्तियाँ और सामर्थ्य योग विद्या, योग साधना में सन्निहित हैं जिन्हें अधिकारी पात्र ही पाते है और आनन्द लाभ प्राप्त करते हैं।

बहुत बड़ी शिला पानी के अंदर फेंक रखी थी और यह जन श्रुति थी कि तैलंग स्वामी पानी में डुबकी लगा जाने के बाद उसी शिला पर घंटों समाधि लगायें जल के भीतर ही बैठे रहते हैं। उनको किसी ने कुछ खाते पीते नहीं देखा तथापि उनकी आयु 300 वर्ष की बताई जाती है। वाराणसी में घर-घर में तैलंग स्वामी की अद्भुत कहानियां आज भी प्रचलित हैं।

निराहार रहने पर भी प्रतिवर्ष उनका वजन एक पौण्ड बढ़ जाता था। 300 पौंड वजन था उनका जिस समय पुलिस उन्हें पकड़ने गई इतना स्थूल शरीर होने पर भी पुलिस उन्हें पकड़ न सकी। आखिर जब रात हो चली तो सिपाहियों ने सोचा डूब गया इसीलिये वे दूसरा प्रबन्ध करने के लिए थाने लौट गये इस बीच अन्य लोग बराबर तमाशा देखते रहे पर तैलंग स्वामी पानी के बाहर नहीं निकले।

प्रातः काल पुलिस फिर वहाँ पहुँची। स्वामी जी इस तरह मुस्करा रहे थे मानों उनके जीवन में सिवाय मुस्कान और आनंद के और कुछ हो ही नहीं, शक्ति तो आखिर शक्ति ही है संसार में उसी का ही तो आनंद है। योग द्वारा सम्पादित शक्तियों का स्वामी जी रसास्वादन कर रहे हैं तो आश्चर्य क्या। इस बार भी जैसे ही पुलिस पास पहुँची स्वामी फिर गंगा जी की ओर भागे और उस पार जा रही नाव के मल्ला को पुकारते हुए पानी में कूद पड़े। लोगों को आशा थी कि स्वामी जी कल की तरह आज भी पानी के अंदर छुपेंगे और जिस प्रकार मेढ़क मिट्टी के अंदर और उत्तराखण्ड के रीछ बर्फ के नीचे दबे बिना श्वाँस के पड़े रहते हैं उसी प्रकार स्वामी जी भी पानी के अंदर समाधि ले लेंगे किन्तु यह क्या जिस प्रकार से वायुयान दोनों पंखों की मदद से इतने सारे भार को हवा में संतुलित कर तैरता चला जाता है उसी प्रकार तैलंग स्वामी पानी में इस प्रकार दौड़ते हुए भागे मानों वह जमीन पर दौड़ रहे हों । नाव उस पार नहीं पहुँच पाई स्वामी जी पहुँच गये। पुलिस खड़ी देखती रह गई।

स्वामी जी ने सोचा होगा कि पुलिस बहुत परेशान हो गई तब तो वह एक दिन पुनः मणिकर्णिका घाट पर प्रकट हुए और अपने आपको पुलिस के हवाले कर दिया। हनुमान जी ने मेघनाथ के सारे अस्त्र काट डाले किन्तु जब उसने ब्रह्म-पाश फेंका तो वे प्रसन्नता पूर्वक बँध गये। लगता है श्री तैलंग स्वामी भी सामाजिक नियमोपनियमों की अवहेलना नहीं करना चाहते थे पर यह प्रदर्शित करना आवश्यक भी था कि योग और अध्यात्म की शक्ति भौतिक शक्तियों से बहुत आगे चढ़-बढ़ कर है तभी तो वे दो बार पुलिस को छकाने के बाद इस प्रकार चुपचाप ऐसे बैठे रहे मानों उनको कुछ पता ही न हो। हथकड़ी डालकर पुलिस तैलंग स्वामी को पकड़ ले गई और हवालात में बंद कर दिया। इन्सपेक्टर पूरी रात गहरी नींद सोया क्योंकि उसे स्वामी जी की गिरफ्तारी की सफलता लग रही थी।

प्रस्तुत घटना "मिस्ट्रीज आँ इंडिया इट्स योगीज" नामक लुई-द-कार्टा लिखित पुस्तक से अधिकृत की जा रही है। कार्टा नामक फ्राँसीसी पर्यटक ने भारत में ऐसी विलक्षण बातों की सारे देश में घूम-घूम कर खोज की। प्रसिद्ध योगी स्वामी योगानंद ने भी उक्त घटना का वर्णन अपनी पुस्तक "आटो बाई ग्राफी आँ योगी" के 31 वे परिच्छेद में किया है।

प्रातः काल ठंडी हवा बह रही थी थानेदार जी हवालात की तरफ आगे बढ़े तो पसीने में डूब गया- जब उन्होंने योगी तैलंग को हवालात की छत पर मजे से टहलते और वायु सेवन करते देखा। हवालात के दरवाजे बंद थे, ताला भी लग रखा था। फिर यह योगी छत पर कैसे पहुँच गया ? अवश्य ही संतरी की बदमाशी होगी। उन बेचारे संतरियों ने बहुतेरा कहा कि हवालात का दरवाजा एक क्षण को खुला नहीं फिर पता नहीं साधु महोदय छत पर कैसे पहुँच गये। वे इसे योग की महिमा मान रहे थे पर इन्सपेक्टर उसके लिए बिलकुल तैयार नहीं था आखिर योगी को फिर हवालात में बंद किया गया। रात दरवाजे में लगे ताले को सील किया गया चारों तरफ गहरा पहरा लगा और ताला लगाकर थानेदार थाने में ही सोया। सवेरे बड़ी जल्दी कैदी की हालत देखने उठे तो फिर शरीर में काटो तो खून नहीं। सील बंद ताला बाकायदा बंद। सन्तरी पहरा भी दे रहे उस पर भी तैलंग स्वामी छत पर बैठे प्राणायाम का अभ्यास कर रहे। थानेदार की आँखें खुली की खुली रह गईं उसने तैलंग स्वामी को आखिर छोड़ ही दिया।

श्री तैलंग स्वामी के बारे में कहा जाता है कि जिस प्रकार जलते हुये तेज कड़ाहे में खौल रहे तेल में पानी के छींटे डाले जाएं तो तेल की ऊष्मा बनाकर पलक मारते दूर उड़ा देती है। उसी प्रकार विष खाते समय एक बार आँखें जैसी झपकती पर न जाने कैसी आग उनके भीतर थी कि विष का प्रभाव कुछ ही देर में पता नहीं चलता कहाँ चला गया। एक बार एक आदमी को शैतानी सूझी चूने के पानी को ले जाकर स्वामी जी के सम्मुख रख दिया और कहा महात्मन् ! आपके लिए बढ़िया दूध लाया हूँ स्वामी जी उठाकर पी गये उस चूने के पानी को, और अभी कुछ ही क्षण हुये थे कि वो कराहने और चिल्लाने लगा वह आदमी जिसने चूने का पानी पिलाया था।

स्वामी जी के पैरों में गिरा, क्षमा याचना की तब कहीं जाकर पेट की जलन समाप्त हुई। उन्होंने कहा भाई मेरा कसूर नहीं है यह तो न्यूटन का नियम है कि हर क्रिया की एक प्रतिक्रिया अवश्य होती है। उसकी दिशा उलटी और ठीक क्रिया की ताकत कितनी होती है।

परीक्षा को जीवन से बड़ा सत्र क्यों दें

परीक्षा के समय चिंतित विचारों, प्रतिकूल भावनाओं, जुनूनी संस्कारों, रातों की नींद हराम और पेट में तितलियों का अनुभव होना आम बात है। मध्यम स्तर का तनाव हमें थकाऊ काम करने, अपनी सीमाओं को पार करने और हमारी सबसे बड़ी दक्षता प्रदान करने के लिए प्रेरित करता है। हालाँकि, एक बार जब हम अत्यधिक व्यथित हो जाते हैं, तो हमारी चिंताएँ हमें शारीरिक, भावनात्मक और व्यवहारिक स्तरों पर निष्क्रिय बना सकती हैं। नतीजतन, भेद्यता और निराशा की आंतरिक भावना हमें अक्षम करती है, हमें कारण की आवाज सुनने से रोकती है। इस समय के दौरान, हम वास्तव में पूरी तरह से असफल महसूस कर सकते थे और प्रयास करने में कोई उम्मीद नहीं देख सकते थे।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्राचार्य
पूर्व.पीईएस-1,
शिक्षाविद् मलोट

एक ऐसे समाज के रूप में जो अब प्रतिस्पर्धा, पहुंच और सफल होने में दृढ़ता से विश्वास करता है, अब हमने गलती से परीक्षाओं को जीवन से बड़े अवसरों में बदल दिया है। ऐसा प्रतीत होता है कि हम भूल गए हैं कि एक परीक्षा केवल एक सहज मूल्यांकन है जो हमें यह सूचित करने के लिए है कि अब हमने एक विशिष्ट पाठ्यक्रम को कितनी प्रभावी ढंग से समझ लिया है और उस विशेष कार्यक्रम में हमें किस स्थान पर सुधार करना है। किसी परीक्षा के परिणाम जो भी हों, वे कभी नहीं बदलेंगे कि हम कौन हैं और हम अपने जीवन में क्या करते हैं। इसलिए, किसी भी समय जब हम चिंतित हों, हमें खुद को याद दिलाना चाहिए कि यह केवल एक परीक्षा है और हमारे लंबे जीवन में, यह दुनिया का अंत नहीं होगा। जीवन हमें एक बड़े व्यक्ति विशेष के रूप में विकसित होने और विकसित होने के लिए कई अलग-अलग संभावनाएं देगा।

इस अत्यधिक तनाव को दूर करना, अपनी चिंताओं को दूर करना और परीक्षाओं के दौरान खुलकर मुस्कुराना सबसे अच्छा तरीका है।

दूसरों के साथ अपनी तुलना करने से हमारे मानस में बहुत चिंता पैदा होती है और हमारी प्रगति बाधित होती है। दूसरों को हराने या उनके द्वारा पराजित होने में दिलचस्पी लेने के बजाय, हमें हमेशा इस अस्वास्थ्यकर विचार पाठ्यक्रम को छोड़ देना चाहिए और आत्म-पूर्णता को अपना दीर्घकालिक लक्ष्य बनाना चाहिए। आइए हम हर समय अपनी कमजोरियों पर काबू पाने और अपनी अंतर्निहित क्षमता को महसूस करने के लिए कड़ी मेहनत करते हुए खुद को बढ़ाने का प्रयास करें।

अगले सर्वोच्च का पीछा करने के लिए छोटे, सांसारिक उद्देश्यों को छोड़ देना महत्वपूर्ण बात है। एक स्वस्थ शरीर की कल्पना, एक मजबूत विचार, एक खुशहाल आत्म, सामंजस्यपूर्ण संबंध और एक महत्वपूर्ण जीवन की कल्पना करके हम एक व्यापक कल्पनाशील और पूर्वदर्शी बना सकते हैं। इस कल्पनाशील और प्रेक्षक का स्वयं को स्मरण दिलाना और इसका निरंतर अभ्यास करना हमें चैत्य विकास के पारलौकिक स्तर के निकट ले जाएगा।

बड़े स्तर पर हमें भी आत्मनिरीक्षण करना चाहिए और अपनी शिक्षा व्यवस्था में सुधार करना चाहिए। ऐसा लगता है कि हम बच्चों को लगभग सभी चीजों को शिक्षित कर रहे हैं, सिवाय इसके कि वे कौन हैं, उनकी शुरुआत का उद्देश्य क्या है, वे इसे कैसे पूरा करेंगे, और जिस तरह से वे खुद को उच्च स्तर पर जानेंगे। इन सवालों को आमतौर पर युवा दिमागों के लिए बहुत गूढ़ होने के रूप में खारिज कर दिया जाता है और यह निहित है कि इस तरह के विचार हाल की स्कूली शिक्षा तकनीकों के दायरे से बाहर हैं। लेकिन आंतरिक चिंतन और गहन आत्म-ज्ञान के ऐसे विकल्पों के बिना, हमारे बच्चे तुच्छ कार्यों में अपनी ऊर्जा खोते हुए और व्यर्थ मुद्दों की चिंता करते हुए पाते हैं। बाद के जीवन में, जब उनमें से कुछ को इसका एहसास होता है, तो उनके लिए गलत धारणाओं को छोड़ना और नए सिरे से शुरुआत करना बहुत मुश्किल होता है।

हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे तृप्ति, प्रगति, शांति और आनंद की एक सतत स्थिति में रहें, चाहे उनके जीवन के उतार-चढ़ाव कुछ भी हों। इसलिए, आइए हम उन्हें सशक्त बनाने के तरीकों पर विचार करें ताकि वे अपनी वर्तमान अज्ञानता की स्थिति से जाग्रत हों और अपने अंदर निहित पूर्णता का पीछा करें।

यह युवाओं को आत्म-जागरूक, शांत, खुशहाल और एक महत्वपूर्ण जीवन जीने की अनुमति देगा, जिसके परिणामस्वरूप एक बड़ा समाज, एकीकृत राष्ट्र और एक प्रबुद्ध दुनिया होगी।

आशंकाओं का बाजार गरम है, क्या ओमीक्रोन की वजह से तीसरी लहर आने वाली है?

न बीमारी छिपाएं और न ही जाँच से बचें

जैसे-जैसे ओमीक्रोन का खतरा बढ़ रहा है, वैसे-वैसे चिकित्सा जांच और इलाज से भागने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। हवाई अड्डों पर जहां-जहां कड़ाई बढ़ी है, वहां लोग सहयोग के बजाय परेशानी का इजहार करने लगे हैं। इसमें कोई शक नहीं कि विदेश से आने वाले लोगों की निगरानी बढ़ाकर ही हम ओमीक्रोन के खतरे पर काबू पा सकते हैं। यह खबर बहुत ही चिंताजनक है कि कर्नाटक के बेंगलुरु में दक्षिण अफ्रीकी देशों से आए 10 विदेशी नागरिक लापता बताए जा रहे हैं। बेंगलुरु महानगरपालिका और वहां के स्वास्थ्य अधिकारियों का उनसे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा है।

दरअसल, बेंगलुरु में ही ओमीक्रोन का भारत में पहला मामला मिला है। दक्षिण अफ्रीका से ही ओमीक्रोन की भारत में घुसपैठ हुई है। ऐसे में, विदेशी नागरिकों का गायब होना किसी अपराध से कम नहीं है। जो लोग बीमारी छिपाकर या किसी प्रकार की जांच से बचकर भाग रहे हैं, वे इस समाज और देश के दुश्मन हैं। उन्हें अगर कड़ा दंड दिया जाए, तो गलत नहीं होगा। यही नहीं, जो लोग किसी भी प्रकार की जांच से मुंह चुराकर अपने घर-परिवार में लौट जा रहे हैं, वे अपने परिजनों के

> **यदि जांच या क्वारंटीन करना मुमकिन नहीं है। तो फिर विदेश से आने वाली उड़ानों को रोकने से बेहतर कोई उपाय नहीं है। कम से कम उन देशों से आने वाली उड़ानों को रोक देना चाहिए, जहां ओमीक्रोन घुसपैठ कर चुका है। घुसपैठ तो हमारे यहां भी हो गई है, लेकिन क्या हम पूरी तरह से सचेत हैं? क्या हम अपना और अपनों का बचाव करने लगे हैं?**

भी शुभचिंतक नहीं हैं। पुलिस भले ही संदिग्धों तक पहुंच जाए, लेकिन सच यही है कि दक्षिण अफ्रीका से आए विदेशी तो फोन भी नहीं उठा रहे थे।

मतलब, उन्हें अपनी या अपने लोगों की जान की कोई चिंता नहीं थी। ध्यान रहे, दूसरी लहर के पहले भी बड़े पैमाने पर लोग जांच और इलाज से भाग रहे थे। शायद ही कोई ऐसा राज्य था, जहां लोग अपने और दूसरों के स्वास्थ्य को लेकर गंभीर थे। पिछले साल अप्रैल में लापरवाही समझ से परे हो गई थी। जांच से बचने के लिए 385 यात्री सिलचर हवाई अड्डे से भाग खड़े हुए थे। तब अधिकारियों ने कहा था कि उनके खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू की जाएगी, लेकिन लोगों को कोई कार्रवाई नजर नहीं आई। भागने वालों के खिलाफ कश्मीर से लेकर केरल तक कोई आदर्श कार्रवाई नहीं हुई। नतीजा सामने है, ओमीक्रोन की वजह से जब जांच तेज हुई है, तो लोग फिर भागने-बचने में लग गए हैं। काश! लोग जांच से भागे नहीं होते, इलाज बीच में छोड़ नहीं जाते, तो बहुत संभव है, दूसरी लहर का कहर कुछ कम होता।

आशंकाओं का बाजार गरम है, क्या ओमीक्रोन की वजह से तीसरी लहर आने वाली है? क्या फिर लॉकडाउन लगने वाला है? क्या भव्य उत्सवों-आयोजनों पर फिर गाज गिरने वाली है? क्या यात्राओं पर फिर लगाम कसने वाली है? लोगों को पूरी सावधानी से जांच में सहयोगी बनना चाहिए। कोरोना दिशा-निर्देशों की पालना करना और इलाज कराना आज देश सेवा से कम नहीं है।

मामले बढ़ने के बाद हम कड़ाई बरतेंगे, तो कोई फायदा नहीं। खतरा बढ़ने से पहले ही सरकार को अपने इंतजाम पूरे रखने चाहिए, ताकि विदेश से आने वाले लोगों की सही जांच हो, उन्हें क्वारंटीन किया जाए।

भारतीय राजनीति के युगपुरुष

अटल बिहारी वाजपेयी राजनीति ही नहीं, उससे इतर भी खासा जाने-पहचाने जाते हैं। शायद इसलिए कि उनके राजनीति से जितने गहरे सरोकार थे, उतने ही साहित्य की संवेदना से भी थे। जो बात वह राजनीति में रहते हुए सीधे-सीधे नहीं कह पाते थे, वह उनका कवि मन कह देता था। कविताओं से उनके मन को हम बांच सकते हैं। उनके व्यक्तित्व का यह भी सबसे बड़ा गुण था कि वह अलग-अलग विचारधाराओं के लोगों को भी साथ लेकर चलने में विश्वास करते थे।

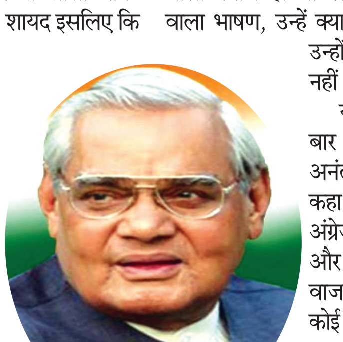

अटल जी को एक बेहतरीन वक्ता के तौर पर भी जाना जाता है, लेकिन उन्होंने कभी भी पूरा भाषण लिखकर नहीं पढ़ा. इसका एक किस्सा वाजपेयी के निजी सचिव रहे शक्ति सिन्हा ने बीबीसी की एक रिपोर्ट में साझा किया है. सिन्हा ने बताया, अटल जी ने कभी भी सार्वजनिक भाषणों के लिए कोई तैयारी नहीं की. उन्होंने कभी भी पूरा भाषण नहीं लिखा. संसद के पुस्तकालय से पत्रिका, पुस्तक और अखबार मंगाकर भाषण के प्वाइंट्स बनाते थे. उन्हें क्या बोलना है इसकी पूरी तस्वीर दमिाग में तैयार कर लेते थे. सार्वजनिक तौर दी जाने वाली स्पीच हो या लोकसभा में दिया जाने वाला भाषण, उन्हें क्या कहना है, इसके लिए उन्होंने कभी स्पीच तैयार नहीं की.

यही वजह है कि एक बार पूर्व लोकसभा अध्यक्ष अनंतशायनम अयंगर ने कहा था कि लोकसभा में अंग्रेज़ी में हीरेन मुखर्जी और हिंदी में अटल बिहारी वाजपेयी से अच्छा वक्ता कोई नहीं है.

भारतीय राजनीति के युगपुरुष अटलजी के बारे में! अटल बिहारी वाजपेई के बारे में इतिहास बेहद सकारात्मक रहेगा, इस बात में दो राय नहीं है. आखिर 24 दलों की गठबंधन सरकार पूरे 5 साल चला पाना वाजपेई जी के ही बस की बात थी, तो उनके व्यक्तित्व का अद्भुत करिश्मा और उनकी अतुलनीय भाषण-शैली का भी इसमें काफी कुछ योगदान था.

राजनीतिक पटल पर तमाम लोग आएंगे जाएंगे, कई नेताओं का उद्भव होगा पतन होगा, किंतु आज़ादी के बाद की भारतीय राजनीति में अटल नाम की शाश्वतता को शायद ही नकारा जा सकेगा

औचित्यहीन विरोध

यदि राज्यसभा में विपक्ष का संख्याबल पहले जैसा नहीं रहा तो इसका यह मतलब नहीं कि वह अपनी खीझ सड़कों पर निकाले।

इतने कम समय में इतनी अधिक संख्या में विधेयक इसीलिए पारित हो सके, क्योंकि संसद में देर रात भी काम हुआ और रविवार के दिन भी। संसदीय कामकाज के प्रति के सांसदों के इस समर्पण की सराहना होनी चाहिए, लेकिन अच्छा होता कि जो महत्वपूर्ण विधेयक पारित हुए, उन पर संसद में गहन चर्चा भी होती। भले ही विपक्ष व्यापक चर्चा के बगैर महत्वपूर्ण विधेयकों के पारित होने को लेकर सत्तापक्ष पर दोष मढ़े, लेकिन इस स्थिति के लिए वह खुद भी जिम्मेदार है। यह देखना दयनीय है कि वह अपने नकारात्मक रवैये पर विचार करने के बजाय धरना-प्रदर्शन कर स्वयं को सही साबित करने की कोशिश कर रहा है। विपक्ष और खासकर कांग्रेस को सबसे ज्यादा आपत्ति कृषि सुधारों पर केंद्रित विधेयकों पर है, लेकिन क्या इन विधेयकों के जरिये वही नहीं किया गया, जिसकी वकालत उसने अपने घोषणा पत्र में की थी?

क्या कांग्रेस लोकसभा चुनाव के अवसर पर जारी किए गए अपने घोषणा पत्र को वापस लेने को तैयार है, जिसमें कहा गया था कि यदि वह सत्ता में आई तो एपीएमसी एक्ट को खत्म कर देगी? यदि नहीं तो फिर उसे धरना-प्रदर्शन करने के बजाय यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर उसके विरोध का औचित्य क्या है?

कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दल अब यह दम भर रहे हैं कि वे सड़कों पर उतरने के साथ राष्ट्रपति से यह अनुरोध करने जाएंगे कि वे कृषि संबंधी विधेयकों पर हस्ताक्षर न करें। क्या संसदीय नियम-कानून और परंपराएं इसकी अनुमति देती हैं कि संसद से पारित विधेयकों को राष्ट्रपति मंजूरी देने से इन्कार कर दें? साफ है कि विपक्ष केवल दिखावे की राजनीति कर रहा है।

विपक्ष ने यही काम नागरिकता संशोधन कानून को लेकर भी किया था। तब विपक्ष यह चाह रहा था कि संसद से पारित विधेयक इस कारण खारिज कर दिया जाए, क्योंकि वह सड़क पर उतरकर हंगामा कर रहा है। यह सस्ती राजनीति के अलावा और कुछ नहीं कि संसद में चर्चा से इन्कार करने वाले विपक्षी दल संसद के बाहर शोर-शराबा कर खुद को लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं का हितैषी बता रहे हैं।

यदि राज्यसभा में विपक्ष का संख्याबल पहले जैसा नहीं रहा तो इसका यह मतलब नहीं कि वह अपनी खीझ सड़कों पर निकाले।

साहित्य संगम ट्राइसिटी जीरकपुर ने मोहाली में किया साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन

डेमोक्रैटिक फ्रंट मोहाली : साहित्य संगम, ट्राइसिटी, जीरकपुर ने मोहाली में साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया। साहित्य संगम की प्रेरणा स्रोत उम्र दराज कवित्री सुरजीत बैंस के आवाह्न पर गत दिवस मोहाली में आयोजन की गयी। गोष्ठी का आगाज करते हुए ग़ज़ल कार ट्राइसिटी के नए मेहमान विनोद प्रकाश गुप्ता 'शलभ' की कर्णप्रिय नवनीत शब्दावली में ढली गजलों को भरे हाल के श्रोताओं ने तालियों की गरमाहट दी। कड़ी से कड़ी जोड़ते हुए मलकीत बसरा, अमरजीत कौर, हरभजन कौर ढिल्लों, मुरारी लाल अरोड़ा, अमरिंदर कौर, प्रोफ़ेसर योगेश्वर कौर और प्रिंसिपल गुरदेव कौर की रचनाएं साहित्य संपदा से सराबोर महसूस की गई।

टेकचंद अत्री नें ,गोष्ठी का संचालन करते हुए युवा लोकगीत कार एकम माणुके, वीरेंद्र चड्ढा, रेडियो एंकर दीपाली, पूर्वांचल की महक लिए श्रीधर शर्मा के गीतों को बारी-बारी परोसते हुए

अपनी कविता 'बेटी' भी प्रस्तुत की। साहित्य समागम की अध्यक्षता करते हुए कहानी व उपन्यासकार जसवीर भुल्लर ने तन्मयता से सभी को सुना व सराहा। तिरंगे में लिपटे शहीद के ताबूत को सभी नम आंखों से आदर देते हैं पर उनकी यादों से भरा काला बक्सा, कविता का उनका प्रस्तुतीकरण सभी को मार्मिक लगा। कवित्री मनजीत इंदिरा, इंदु बाला सिंह के बाद सुरजीत बैंस की झुर्रियों से छनती मधुर उम्रदराज ध्वनि सभी चेहरों पर लालिमा बिखेर गई। उनके अतिथि सत्कार की सभी ने सराहना की। साहित्य संगम के सफल कार्यक्रमों की प्रशंसा करते हुए सुरजीत बैंस ने महीने के हर द्वितीय शनिवार को गोष्ठी करवाने संबंधी आगामी प्रबंधन/ कार्यभार का उत्साह भी दिखाया ।

साहित्य संगम के अध्यक्ष प्रोफेसर फूलचंद मानव के शब्दों में 'किसी भी कलाकार को छोटा नहीं आंकना चाहिए। पायदान पर चढ़ता कलाकार शिखर पर पहुंच जाता है बशर्ते कि वह साहित्य में ढलने की आदत बनाए रखें। सभी श्रोताओं वक्ताओं का धन्यवाद करते हुए उन्होंने गोष्ठी का समापन किया।

नए साल में इन राशियों की बदलेती किस्मत, कहीं आपकी राशि भी तो इसमें नहीं....

डेमोक्रेटिक फ्रंट : नए वर्ष को लेकर हम सभी उत्साहित रहते हैं कि आने वाला वर्ष हमारे जीवन के लिए कैसा रहने वाला है, क्या इस वर्ष में हम पहले की अपेक्षा ज्यादा अच्छा कर पाएंगे या फिर कुछ अनहोनी घटित हो सकती है।

कुछ ही दिनों में 2021 अलविदा कह देगा और नए साल 2022 का आगमन हो जाएगा. 2021 हर किसी के लिए मिली जुला रहा है. लेकिन इस नए साल से हर किसी को काफी उम्मीदे हैं. नव वर्ष 2022 के आगमन में डेढ़ महीने से भी कम समय रह गया है. ये नया साल कुछ राशियों के लिए काफी ज्यादा शुभ होने वाला है. आपको बता दें कि ज्योतिष के अनुसार, ऐसी कुछ 6 राशियों के बारे में बताया गया है कि जिनके लिए नव वर्ष बेहद शानदार रहने वाला है.

यानी कि कहा जाए तो इन राशियों के लिए आने साल शानदार ही नहीं रहेगा, बल्कि नए साल में किस्मत बदलने का काम करेगा.आइए जानते हैं कौन सी हैं वो राशि जो 2022 में किस्मत को चमकाएंगी.

वृषभ राशि के जातकों के लिए नए वर्ष 2022 काफी खुशियों को लेकर आने वाला है.इस राशि के जातकों के लिए नए साल बदलाव की दृष्टि से बेहद शानदार रहेगा. इनके करियर लाइफ में तरक्की करेंगे. इस साल धन-संपत्ति में इजाफा करने की कोशिश करेंगे. कार्यस्थल पर आपके काम की हर कोई प्रशंसा करेगा. कुल मिलाकर ये साल इनको आगे बढ़ाने का काम ही करेगा.

वृश्चिक राशि के जातकों को भी नव वर्ष 2022 शुभ फलदायक होने वाला है.वृश्चिक राशि के लोगों को नए अवसरों को खूब भुनाएंगे. इस राशि के जातक इस साल अपने सपने साकार होता देख सकते हैं. इस साल में सितारे आपके पक्ष में हैं, इसलिए अधिक से अधिक लाभ उठाने का प्रयास करें.

सिंह राशि के जातकों के लिए नव वर्ष 2022 शुभ और भाग्यशाली होने वाला है. सिंह राशि के जातकों को 2022 में कई तरह के नए अवसर मिलने के योग हैं. बस इन्हें सही समय पर समझने की जरूरत होगी. नए साल में लोगों की मदद करने से पीछे न हटें क्योंकि दूसरों की सहायता करने से शुभ परिणाम मिलेंगे.

इस राशि के जातकों के लिए नया साल बेहद शुभ होगा. आपको जीवन में बड़ी सफलता मिलने की पूरी उम्मीद है.इनकी लव लाइफ काफी खास होने वाली है, साथ ही आर्थिक परेशानियों से भी छुटकारा मिलेगा. नए अवसर मिलेंगे, लेकिन इन्हें प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है.

मकर राशि के लोगों के लिए नव वर्ष 2022 काफी शुभ रहने वाला है. ये इस साल भी सफलता के पथ पर निरंतर अग्रसर रहेंगे. यानी कि आने वाले साल में आपके सितारे बुलंद रहेंगे और भाग्य भी आपका साथ देगा.

इस राशि के जातक जब भाग्य की बात आती है, तो धनलाभ की उम्मीद करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं है कि हमेशा धनलाभ ही हो.2022 में इनके जीवन को एक नया टरनिंग प्वाइंट मिलेगा. यदि आप अपने प्रेम जीवन में बहुत उतार-चढ़ाव से गुजरे हैं, तो उम्मीद करें कि 2022 आपके लिए बहुत शानदार रहने वाला है. इस साल इनको कड़ी मेहनत का फल भी मिलेगा.

स्टेप टू स्टेप का विंटर कैंप 27 दिसंबर से सेक्टर 46 में

डेमोक्रैटिक फ्रंट चंडीगढ़ : विंटर कैंप के संबंध में जानकारी देते आयोजक यतिन गुप्ता ने बताया कि डांस फन व फिटनेस का मिश्रण है , खासकर स्टूडेंट्स को डांस की ट्रेनिंग जरूर लेनी चाहिए। विंटर कैंप नार्थ रिज स्कूल 46 में 27 दिसम्बर से आयोजित होगा जिसमें पांच वर्ष के बच्चों से लेकर सभी आयु वर्ग के प्रतिभागी हिस्सा ले सकेंगे. लोगों में छिपी प्रतिभा को निखारने का माध्यम यतिन ने बताया कि लोगों में छिपी प्रतिभा को निखारने का यह एक माध्यम है। जिसमें भाग लेने वाले लोगों को हर फॉर्म के डांस का अभ्यास कराया जाएगा. महिलाएं भी इसमें भाग ले सकती हैं. डांस की बारीकियां एकेडमी की प्रोफेशनल ट्रेनर सिखाएंगे ।

आनलाइन तथा ऑफलाइन इंट्री की सुविधा उपलब्ध

उन्होंने कहा कि इसके लिए ऑनलाइन तथा ऑफलाइन इंट्री की सुविधा उपलब्ध दी गई है. इसके लिए एकेडमी की ओर से मोबाइल नंबर 96465 94101 व 7986307638 जारी किया है, जिसपर संपर्क स्थापित कर प्रतिभागी भाग ले सकते हैं. कैंप का उद्घाटन नॉर्थ रिज स्कूल की प्रिंसिपल करेंगी।

ओमिक्रोम से एहतियात के लिए घर पर सेलिब्रेट करें क्रिसमस

शालू गुप्ता

डेमोक्रैटिक फ्रंट पंचकूला : पिछले साल की तरह इस बार भी कोरोना के नए वेरीयंट ओमिक्रोम ने क्रिसमस की रंगत को कुछ फीका कर दिया लेकिन इस वजह से हमें निराश होने की जरूरत नहीं है और इसी की ध्यान में रखते हुए मॉडल और ऐक्टर शालू गुप्ता ने अपने परिवार और बेटी हिया के दोस्तों के साथ क्रिसमस को घर पर मनाया।

शालू ने बताया की क्रिसमस को यादगार बनाने के लिए वह कई दिनों पहले से ही तैयारियों में जुट जाती है और इस बार उन्होंने ख़ास केक तैयार किया और अपने बेटी हिया गुप्ता के दोस्तों और बच्चों के साथ मिलकर खूब मस्ती की और डान्स किया। सभी बच्चों ने एक दूसरों को उपहारों का आदान प्रदान किया, केक काटा. डान्स किया और जमकर सेलिब्रेशन किया। इस त्योहार में क्रिसमस ट्री सबसे अहम होता है।

क्रिसमस ट्री को सजाने के लिए बच्चों में बहुत उत्सुकता रहती है और मैंने भी एक बिग ट्री को लाकर बच्चों के साथ मिलकर सजाया। आप सब भी घर के आंगन में क्रिसमस के पेड़ को ट्रिम करें और उसे रंग बिरंगी एलईडी लाइट से सजाएं और घर पर ही रहकर क्रिसमस का मज़ा करे और करोना से बचें।

प्रदेश सरकार की तर्ज पर सेवा प्रदान व भविष्य सुरक्षित करने की मांग

हारट्रोन के आईटी प्रोफेशनल ने हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन सुभाष बराला को ज्ञापन सौपा

डेमोक्रैटिक फ्रंट चंडीगढ़ : हारट्रोन के माध्यम से हरियाणा प्रदेश के विभिन्न विभागों, बोर्ड, कॉर्पोरेशन, मिशन, निगमों व बैंकों में कई सालों से अपनी सेवाओं की सुरक्षा को लेकर हारट्रोन के आईटी प्रोफेशनल का एक प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के चेयरमैन सुभाष बराला से चंडीगढ़ के सेक्टर 7 स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और ज्ञापन सौपा। आईटी प्रोफेशनल प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन सौंपते हुए मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल व हरियाणा सरकार से हिमाचल प्रदेश सरकार की तर्ज पर सेवा प्रदान एवं भविष्य सुरक्षित करने की मांग की है।

हारट्रोन के माध्यम से कार्यरत कांट्रेक्चुअल डाटा एंट्री ऑपरेटर सुभाष थपलियाल शर्मा व अमित सजवान ने बताया कि सभी आईटी प्रोफेशनल संविदा आधार पर कई सालों से कार्यरत है और वर्तमान में पूरी ईमानदारी से हरियाणा सरकार के अंतर्गत कार्य कर रहे हैं, लेकिन जॉब सिक्योरिटी/नौकरी अभी तक सुरक्षित नहीं है। इसलिए उनके व उनके परिवार के अच्छे से लालन पालन और भविष्य को देखते हुए सभी लोग सकारात्मक सोच के साथ चेयरमैन सुभाष बराला से मिले।

समस्त आईटी प्रोफेशनल को हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों की 'रीढ़ ही हड्डी' कहा जाता है। 'डिजिटल हरियाणा' का सपना आईटी प्रोफेशनल के प्रयासों से साकार हुआ है। मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल के ओजस्वी नेतृत्व में आईटी प्रोफेशनल द्वारा की गई कड़ी मेहनत, ईमानदारी और लग्न से हरियाणा सरकार को दो बार डिजिटल हरियाणा के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। हरियाणा सरकार के अन्तर्गत कई वर्षों से हॉरट्रोन के माध्यम से 5000 महिला व पुरूष आईटी प्रोफेशनल निरन्तर हरियाणा सरकार में अपनी सेवाएं देने के पश्चात भी आज तक उन्हें स्थाई सेवा नहीं मिली हैं।

उन्होंने चेयरमैन सुभाष बराला को बताया कि हरियाणा सरकार की विभिन्न सेवाओं व जनकल्याणकारी योजनाओं को अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से नागरिकों तक पहुंचाने में आईटी प्रोफेशनल का अहम रोल होता है। आईटी प्रोफेशनल सरकार की आईटी पॉलिसी की सभी नियम एवं शर्तों को पूर्ण करते हैं। समस्त आईटी प्रोफेशनल, हॉरट्रोन के द्वारा समाचार पत्रों में जारी किए गए विज्ञापन के माध्यम से पूर्ण पारदर्शिता के साथ ऑनलाइन कम्प्यूटर टेस्ट, ऑनलाइन टाइपिंग टेस्ट, विभिन्न पोस्ट के अनुसार प्रोग्रामिंग टेस्ट, बायोमैट्रीक अटैन्डेन्स, सीसीटीवी कैमरे की निगरानी, मेरिट सूची के आधार पर तथा सभी दस्तावेजों की जांच उपरान्त ही समस्त आईटी प्रोफेशनल की नियुक्ति हरियाणा सरकार के विभिन्न कार्यालयों में की गई है।

समस्त 5000 महिला एवं पुरूष आईटी प्रोफेशनल आईटी से संबंधित सभी ऑनलाइन पोर्टल व प्रोजेक्ट जैसेकि सीएम विंडो, सीएम अनाउसमेंट, ई-गवर्नेस, पीजी पोर्टल, सरल पोर्टल, ई-टेंडर, ई-टिकट, ई-ऑफिस, पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन सिस्टम (पीडीएस), वन नेशन वन राशन, ई-खरीद, अप्रैंटिसशिप पोर्टल, सक्षम पोर्टल, ईज ऑफ लिविंग सर्वे पोर्टल, एलएमएस कोर्ट केस मॉनिटरिंग सिस्टम, एचआरएमएस, परिवार पहचान पत्र (पीपीपी), एमआईएस पोर्टल, ट्रांसेक्शन बेस पोर्टल, सुगम सम्पर्क, मिशन अंत्योदय, जन्म-मृत्य पंजीकरण, ईआरपी पोर्टल, इंट्रा हरियाणा, ऑनलाइन बुकिंग, ई-भूमि पोर्टल, भू-अभिलेखा पोर्टल, हिरमी पोर्टल, वाहन और सारथी पंजीकरण पोर्टल इत्यादि का कार्य सूचारू रूप से समय अनुसार निरन्तर कर रहे हैं।

प्रतिनिधि मंडल ने आगे बताया कि प्रत्येक आईटी प्रोफेशनल का कॉन्ट्रैक्ट एक वर्ष के लिए नवीनीकरण किया जाता है, इसको नवीनीकरण करवाने हेतू कई बार विभाग द्वारा मानसिक शोषण भी किया जाता है व समस्त आईटी प्रोफेशनल को अपनी सेवाएं सामाप्त हो जाने का भय हमेशा बना रहता है। उन्होंने बताया कि चेयरमैन सुभाष बराला ने हारट्रोन प्रतिनिधि मंडल के आईटी प्रोफेशनल को सकारात्मक रिस्पांस दिया। इस मौके पर देव कुमार, परदीप, कपिल, संदीप व शिव कुमार मौजूद रहे।

मार्केट एन.ए.सी मनीमाजरा में किया 48 रक्तदाताओं ने रक्तदान

डेमोक्रेटिक फ्रंट मनीमाजरा/ चंडीगढ़ 23 दिसंबर 2021। विश्वास फाउंडेशन द्वारा आज शुक्रवार को तिलक जेवेल्स के सहयोग से मार्केट एनएसी मनीमाजरा चंडीगढ़ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी पंजाब स्टेट चंडीगढ़ ने एहम भूमिका निभाई। शिविर में सामाजिक दूरी, मास्क व सैनिटाईज़ेशन का ख़ास ध्यान रखा गया।

विश्वास फाउंडेशन की महासचिव साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि शिविर का उद्घाटन तिलक जेवेल्स के एम डी श्री सुशील बंसल व उनके पुत्र सनी बंसल के करकमलों द्वारा किया गया। ब्लड बैंक पारस अस्पताल पंचकूला की टीम ने डॉक्टर पुनीत सचदेवा की देखरेख में 48 यूनिट्स रक्त एकत्रित किया।

सुशील बंसल ने बताया कि पूर्व में रक्तदान से शरीर में कमजोरी आना व बीमारी लगने जैसी अनेक प्रकार की भ्रांतियां थी परंतु आज यह भ्रांतियां दूर हो चुकी है और हमारे युवा बड़ी संख्या में रक्तदान कर रहे है। यह प्रसन्नता का विषय है कि आज हमारी बेटियां भी रक्तदान के मामले में लड़कों से पीछे नहीं है और स्वयं आगे आकर रक्तदान कर रही है। समय पर रक्त की उपलब्धता होने से अमूल्य जीवन को बचाया जा सकता है। यदि हम रक्तदान के माध्यम से किसी का जीवन बचा सकते है तो इससे बड़ा उपकार नहीं हो सकता। शिविर में आये सभी रक्तदानियों को प्रशंसा पत्र, मास्क, साबुन व गिफ्ट देकर प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी पंजाब स्टेट ब्रांच चंडीगढ़ से राकेश कुमारी व विश्वास फाउंडेशन से अविनाश शर्मा, हर्ष मनचन्दा, नीरज यादव, विशाल कुंवर ब्लड बैंक के डॉक्टर्स व अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे।

कनाडा से पटियाला पहुंची गीत ग्रेवाल, पति परमीश वर्मा और बहन सुखन ने किया खास स्वागत

डेमोक्रेटिक फ्रंट : पंजाबी संगीत की दुनिया के मल्टीस्टार कलाकार परमीश वर्मा, जो सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं। इसी साल उन्होंने अपनी कैनेडियन गर्लफ्रेंड गीत ग्रेवाल से शादी कर लाखों लड़कियों का दिल तोड़ा था. 'नो मोर छड़ा' परमीश वर्मा की शादी ने खूब सुर्खियां बटोरी।

परमीश वर्मा और गीत ग्रेवाल की शादी कनाडा में हुई थी। उनकी शादी की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर छाई हुई थीं अब परमीश वर्मा की पत्नी गीत ग्रेवाल कनाडा से भारत पहुंच चुकी हैं, जिनका उनकी बहन और पति परमीश वर्मा ने विशेष स्वागत किया. सुखन वर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी भाभी गीत और भाई परमीश के साथ एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए सुखन ने लिखा, "ये है दुनिया के सबसे खुश इंसान का चेहरा... स्वागत है भाभी जी।" इस बीच खुद परमीश वर्मा ने गीत ग्रेवाल की एक तस्वीर शेयर की और अपने पटियाला स्थित घर पर उनका स्वागत किया। फैंस और कलाकार भी कमेंट कर इस कपल को बधाई दे रहे हैं।

परमीश वर्मा ने अपनी पत्नी गीत का विशेष स्वागत किया था और विशेष स्वागत पार्टी की थी जिसमें विशेष लोग शामिल हुए थे। आप तस्वीर में देख सकते हैं कि गीत ग्रेवाल ने स्टाइलिश नीले रंग का पंजाबी सूट पहना हुआ है और परमेश वर्मा ने सफेद पजामा और सिर पर गहरे गुलाबी रंग की पगड़ी पहनी हुई है. सुखन ने ऑफ क्रीम रंग के पजामे के साथ पगड़ी भी पहनी हुई है। सोशल मीडिया पर इस तस्वीर को काफी पसंद किया जा रहा है. बड़ी संख्या में लाइक आ चुके हैं।

परमीश वर्मा के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में वह अपने गाने 'मिड नाइट' से आमने-सामने आ गए हैं. सोशल मीडिया पर गाने को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। परमेश वर्मा गायन के साथ-साथ अभिनय के क्षेत्र में भी काफी सक्रिय हैं।

मुझे कई फिल्मों के प्रस्ताव मिले, लेकिन इसने दिलचस्पी नहीं जगाई : कृष्णा श्रॉफ

डेमोक्रेटिक फ्रंट : फिटनेस उद्यमी कृष्णा श्रॉफ फिटनेस के लिए अपने जुनून के बारे में बात करते हुए फिल्मों में काम न करने की रुचि के बारे में बताती हैं। उनके पिता, जैकी श्रॉफ हिंदी सिनेमा के एक दिग्गज रहे हैं, जो अपने कूल फैक्टर के लिए जाने जाते हैं। उनके भाई, टाइगर अपनी पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ एक्शन स्टार हैं। लेकिन कृष्णा श्रॉफ को यकीन था कि वह अपने जीवन में क्या करना चाहती है, न कि केवल उनके नक्शेकदम पर चलना। फिटनेस और उसकी एमएमए (मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स) लीग का प्रबंधन उसके जीवन का जुनून है। लोग आज उनके फिट शरीर के लिए उनकी प्रशंसा करते हैं, लेकिन कृष्ण को इस क्षेत्र में सबसे पहले किसने धकेला? जैसा कि हम दिल्ली की यात्रा पर एक प्रशिक्षण सत्र के लिए जिम में उसके साथ एक दिन बिताते हैं, वह हमें सब कुछ बताती है। "मैंने साढ़े पांच साल पहले 23 साल की उम्र में पहली बार जिम के अंदर पैर रखा था। मैं वास्तव में उस समय एक बहुत खराब ब्रेक अप से गुजर रहा था, और चूंकि यह आपका पहला प्यार है, या इसलिए आपको लगता है ... यह सीखने का बहुत बड़ा अनुभव है। मैं उसमें खो गया और खुद को प्राथमिकता देना भूल गया। एक बार जब वह समाप्त हो गया, तो मैंने बदलने का फैसला किया और मुझे फिटनेस मिली, "वह कहती हैं।

सारिका ने बनवाया अजय देवगन के ऑटोग्राफ वाला टैटू, हुई भावुक

डेमोक्रेटिक फ्रंट : प्रशंसक और कलाकार दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। फैन्स अक्सर अपने फेवरेट स्टार्स का दिल जीतने के लिए काफी जद्दोजहद करते हैं। अभिनेता अजय देवगन के फैंस ने ऐसा कमाल का तरीका अपनाया है। दरअसल, अभिनेता पिछले रविवार को अपने प्रशंसकों से मिले थे, जहां प्रशंसक उनकी एक झलक पाने और उन्हें ऑटोग्राफ करने के लिए बेताब थे।

वहीं, एक फैन ने अजय देवगन का ऑटोग्राफ लिया और बाद में उसे टैटू में बदल दिया। जिस फैन ने ऑटोग्राफ वाला टैटू बनवाया उसका नाम सारिका गुप्ता है. सारिका ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर शेयर की है जिसमें अभिनेता उनके हाथ पर ऑटोग्राफ साइन कर रहे हैं। ऐसे समय में किसी भी फैन के लिए अपने इमोशन्स पर काबू पाना मुश्किल होता है और

यही सारिका के साथ हुआ. इस दौरान उनके चेहरे के भाव देखे जा सकते हैं।

इस तस्वीर को शेयर करते हुए सारिका ने कहा कि पिछले दो साल हर लिहाज से काफी मुश्किल रहे हैं लेकिन एक फैन के तौर पर मैं कहूंगा कि अजय देवगन को देखना मुश्किल था। मैं दो साल बाद मुंबई जा पाया और मैं इसे खास बनाना चाहता था। इसलिए मैंने ऑटोग्राफ का टैटू बनवाया।

बता दें कि बॉलीवुड के सिंघम अजय देवगन ने रविवार को अपने फैंस से मुलाकात की, जिसे उन्होंने अपने ट्विटर अकाउंट पर एक पोस्ट में शेयर किया. उन्होंने फैन्स के साथ अपनी तस्वीरों का एक कोलाज भी शेयर किया है।

इस तस्वीर को ट्विटर पर साझा करते हुए, अजय देवगन ने लिखा, "मुझे पता है कि पिछले 2 साल बहुत कठिन रहे हैं, लेकिन देश के विभिन्न हिस्सों से आने और इसे खास बनाने के लिए, सभी के प्यार और समर्थन के लिए आप सभी का धन्यवाद।

तुषार कपूर की किताब 'बैचलर डेड' जल्द होगी रिलीज,

पिता बनने के सफर को करेंगे साझा

डेमोक्रेटिक फ्रंट : सरोगेसी के जरिए पिता बने तुषार कपूर के पास जल्द ही 'बैचलर डेड' नाम की एक किताब होगी, जिसमें वह पितृत्व की यात्रा का खुलासा करेंगे। तुषार कपूर कहते हैं, ''पिता बनना मेरे जीवन के सबसे यादगार पलों में से एक रहा है.'' मेरी पहली किताब, बैचलर डेड, इस बारे में है कि कैसे मैंने पिता बनने के लिए थोड़ा अलग रास्ता अपनाया।

मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे इस यात्रा में कुछ अलग-अलग लोगों का समर्थन मिला, लेकिन मेरे एकल पिता बनने के फैसले ने कई सवाल उठाए हैं, जिन्हें मैंने विभिन्न मीडिया प्लेटफॉर्म पर संबोधित करने की कोशिश की है।

हालांकि, जो संदेश देना था, वह कहीं खो गया था। शायद इसलिए मैं अब खुश हूँ क्योंकि इस किताब को लिखने का मेरा मकसद

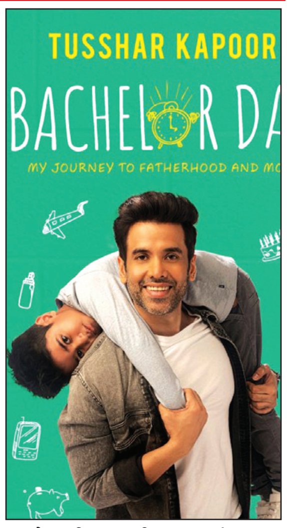

अपने जीवन की एक ईमानदार तस्वीर साझा करना था और यह अंततः सच हो जाएगा। मेरी किताब 'बैचलर डेड' अगले महीने लॉन्च होगी।

दिलीप कुमार की जयंती पर बाहर निकलते ही सायरा बानो हुईं भावुक , धर्मेंद्र, सुभाष घई ने दी सांत्वना

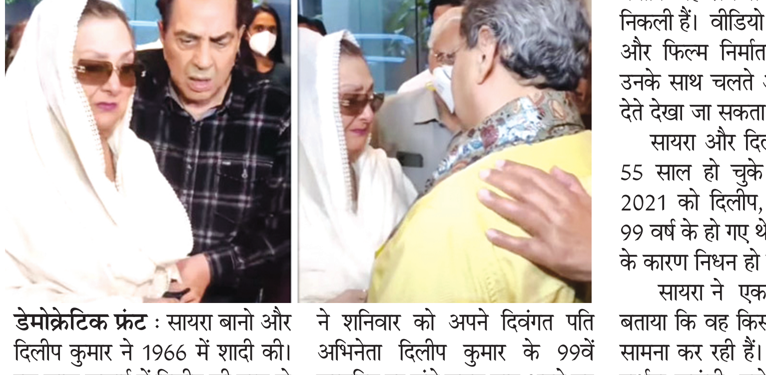

डेमोक्रेटिक फ्रंट : सायरा बानो और दिलीप कुमार ने 1966 में शादी की। इस साल जुलाई में दिलीप की मृत्यु से पहले इस जोड़े ने 55 वीं सालगिरह मनाई थी।

दिग्गज अभिनेत्रि सायरा बानो ने शनिवार को अपने दिवंगत पति अभिनेता दिलीप कुमार के 99वें जन्मदिन पर लंबे समय बाद अपने घर के बाहर कदम रखा। सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक वीडियो में सायरा को रोते हुए देखा जा सकता है क्योंकि वह लंबे समय के बाद घर से निकली हैं। वीडियो में अभिनेता धर्मेंद्र और फिल्म निर्माता सुभाष घई को उनके साथ चलते और उन्हें सांत्वना देते देखा जा सकता है।

सायरा और दिलीप की शादी को 55 साल हो चुके थे। 7 जुलाई, 2021 को दिलीप, जो शनिवार को 99 वर्ष के हो गए थे, का लंबी बीमारी के कारण निधन हो गया।

सायरा ने एक इंटरव्यू के दौरान बताया कि वह किस तरह से हार का सामना कर रही हैं। उसने कहा, "मैं प्रार्थना करूंगी, उसे याद रखूंगी और मैं चाहती हूं कि दिन बहुत शांत हो। मैं जुहू उद्यान (जुहू क़ब्रस्तान) जाना चाहता हूं जहां वह (दफन) है।"

जब भारती सिंह से पूछा कि 'आपको बेटा चाहिए या बेटी'?

डेमोक्रेटिक फ्रंट :कॉमेडियन भारती सिंह और हर्ष लिंबाचिया के घर पर नन्हा मेहमान आने वाला है, भारती और हर्ष माता-पिता बनने को लेकर काफी उत्साहित हैं। इस खबर से न सिर्फ उनका परिवार बल्कि उनके दोस्त भी काफी खुश हैं। वहीं सोशल मीडिया पर कमेंट करने वाला हर कोई भारतीय को मां बनने पर बधाई देता नजर आ रहा है. इसी बीच सोशल मीडिया पर भारती का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जब फोटोग्राफरों ने भारती से पूछा कि वह क्या चाहती हैं 'बेटा या बेटी' है, तो उसने एक निश्चित जवाब दिया और बात करना बंद कर दिया।

भारती सिंह के इस वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि

जब पत्रकारों ने उनसे पूछा कि वह एक 'बेटा या बेटी' के रूप में क्या चाहती हैं, तो इस सवाल पर भारती सिंह ने अपने मस्त मौला अंदाज़ में जवाब दिया, 'लड़की ... मेरी तरह मेहनती। आप की तरह नहीं, जो एक लड़की को रोककर उसका इंटरव्यू ले रहे है।

क्रिसमस यानी यम्मी केक फीस्ट

डेमोक्रेटिक फ्रंट : पूरी दुनिया में क्रिसमस का त्योहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है. 25 दिसंबर को प्रभु यीशु का जन्म हुआ था. इस खुशी में भारत समेत पूरी दुनिया में क्रिसमस डे मनाया जाता है.

क्रिसमस का खास त्योहार कुछ दिनों में आने ही वाला है. ऐसे में इस खास मौके की तैयारियां घरों में शुरू हो गई है. इस मौके पर जिंगल्स गाए जाते हैं और तरह-तरह के केक भी बनाए जाते हैं. आज हम आपको इस खास त्योहार पर अलग-अलग वैरायटी के केक के बारे में बताने वाले हैं जिन्हें आप आसानी से घर पर ट्राई कर सकते हैं।

चॉकलेट केक

चॉकलेट केक आजकल बच्चों से लेकर बड़ों तक की पहली पसंद बन चुका है. आप कोको पाउडर और चॉको चिप्स की मदद से घर पर ही बेहद टेस्टी केक बना सकते हैं।

टूटी-फ्रूटी केक

टूटी-फ्रूटी केक को आप बड़ी आसानी से क्रिसमस के दिन घर पर बना सकते हैं. यह खाने में जितना टेस्टी लगता है बनाने में उतना ही आसान भी है।

जैगरी केक

अगर आपके घर पर कोई शुगर का मरीज है तो आप उसके लिए क्रिसमस के इस खास मौके पर गुड़ का केक बना सकते हैं. यह खाने में बेहद टेस्टी और हेल्दी होता है।

बनाना केक

बनाना याने केले का केक बनाने में बहुत आसान होता है. इस केक में आटे का इस्तेमाल होता है. इस कारण यह हेल्थ के लिए भी बहुत अच्छा माना जाता है।

वॉलनेट केक

वॉलनेट या अखरोट केक को बेहद हेल्दी और टेस्टी माना जाता है. इसमें भारी मात्रा में अखरोट होता है जो शरीर के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। मिठास के लिए बटरक्रीम का स्वाद लें।

भारत मे बढ़ रही है मेडिकल-पैरा मेडिकल में सम्भावनाएं

सारिका तिवारी
लेखिका, शिक्षा ,कैरियर विशेषज्ञ धर्म -संस्कृति

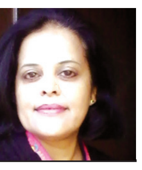

भारत में तीव्र गति से विकसित हो रही चिकित्सीय सुविधाओं की वजह से हाल के कुछ वर्षों में मेडिकल टूरिज्म के प्रति रूझान बढ़ा है। आज न सिर्फ निजी हेल्थकेयर सेंटर, बल्कि सरकार भी देश में मेडिकल टूरिज्म को और बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। यही वजह है कि इस क्षेत्र में पेशेवरों की मांग धीरे-धीरे बढ़ रही है।

चूंकि विकसित देशों में चिकित्सीय सुविधाएं महंगी हैं इसलिए अरब, नाइजीरिया और फ्रांस आदि से पर्यटक बड़ी संख्या में हमारे देश में ईलाज कराने आते हैं। इसके चलते मेडिकल टूरिज्म के क्षेत्र में प्रतियोगिता बढ़ रही है। इस मामले में भारत की प्रतियोगिता सिंगापुर और फिलिपींस से है।

इस क्षेत्र में और अवसर बढ़ें इसके लिए जरूरी है कि यहां मेडिकल टूरिज्म के लिए आने वाले पर्यटकों को वाजिब दामों में बिना किसी हेर-फेर के जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं और साथ ही ईलाज कराने के बाद वे अगर किसी धार्मिक स्थल की यात्रा करना चाहें तो उसके लिए भी उन्हें सही सलाह देने के साथ ही बढ़िया पैकेज दिए जाएं।

भारत में स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं और इंफ्रास्ट्रक्चर में अच्छी-खासी प्रगति हो रही है जिसकी वजह से यहां आकर अपना इलाज कराने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी इजाफा हो रहा है और इसकी वजह से मेडिकल टूरिज्म को अब हमारे देश में बहुत बढ़ावा मिल रहा है।

इसके चलते इन दिनों कई निजी इंस्टिट्यूट छात्रों को मेडिकल टूरिज्म में स्पेशल कोर्स करवा रहे हैं। इस पेशे में प्रशिक्षित पेशेवरों की इन दिनों खूब मांग है। हमारे देश में मिडिल ईस्ट देशों से काफी पर्यटक खासतौर से अपना ईलाज कराने आते हैं। ऐसे में उन्हें हर तरह की मेडिकल सुविधाएं, होटल इत्यादि मुहैया करना ही मेडिकल टूरिज्म प्रोफेशनल का काम है।

योग्यता

मेडिकल टूरिज्म में इन दिनों कई इंस्टिट्यूट कई तरह के डिग्री, सर्टिफिकेट और बैचलर कोर्स कराते हैं। इसके अलावा हेल्थकेयर में एमबीए भी कई इंस्टिट्यूट करवा रहे हैं। जहां तक बात है सर्टिफिकेट कोर्स की तो इसके लिए आपका किसी भी स्ट्रीम से 12वीं पास होना जरूरी है। इसके अलावा एमबीए प्रोग्राम के लिए बैचलर डिग्री की आवश्कता है।

यहां है पेशेवरों की मांग

इन दिनों कई बड़ी ट्रेवल एजेंसियों में मेडिकल टूरिज्म का अलग डिपार्टमेंट होता है। इसके अलावा बड़े अस्पतालों में भी मेडिकल टूरिज्म डेस्क की सुविधा होती है। यह डेस्क उन पर्यटकों की मदद के लिए होता है जो भारत में ईलाज कराने आते हैं।

कई प्राइवेट एयरलाइंस में भी मेडिकल टूरिज्म हेल्प डेस्क की सुविधा होती है।

नववर्ष संकल्प

मंगलकारी भविष्य के लिए इस नव वर्ष पर विद्यार्थी संकल्प अवश्य लें

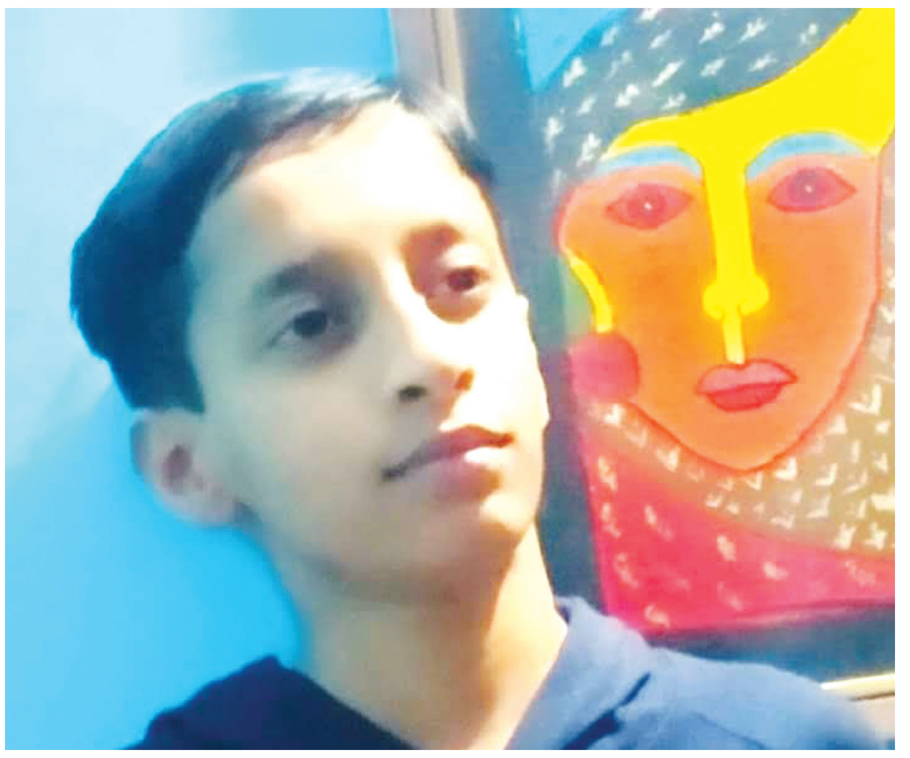

विधित वशिष्ट : नये साल में हम पुराने साल की अपेक्षा कुछ नया और बेहतर करना चाहते हैं. हम ऐसे संकल्प लेते हैं ताकि ज़िन्दगी में अधिक से अधिक खुशियां आये. नये साल पर बहुत सारे लोग अपने लक्ष्य को निर्धारित करते हैं। नया साल नई उम्मीदे, नये अवसर, नई ख़ुशियाँ, नए रिश्ते बहुत सारी नई चीजे लेकर सभी के जीवन में आता हैं।

अगर आप अब तक नये साल पर कोई नया संकल्प नही लिया हैं तो इस बार अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए और सफ़लता प्राप्त करने के लिए कोई बेहतरीन संकल्प जरूर ले। रातों रात मिलने वाली सफलता के लिए सालों-साल मेहनत करनी पड़ती हैं. क्या आप अपनी सफ़लता के लिए इस साल कोई संकल्प लेना चाहते हैं? यदि 'हाँ' तो इस पोस्ट को जरूर पढ़े।

विलम्ब या देर करना बंद करें

कल के पर काम को टालने की आदत सबसे बुरी आदत होती हैं. अगर आप एक छात्र हैं तो आप अपने कार्य को कभी भी कल पर न टाले. स्कूल में जब काम दिया जाता हैं और हम होम वर्क को सही समय पर न पूरा करके कल पर टालते हैं उसी वक्त इस बुरी आदत का जन्म होता हैं और धीरे-धीरे यह हमारा स्वभाव बन जाता हैं इसलिए इस बुरी आदत से छात्र खुद को जरूर बचाएं. इस नये साल पर ये संकल्प जरूर ले कि आप कल पर किसी कार्य को नही छोड़ेंगे।

अच्छे ग्रेड प्राप्त करने के लिए खुद को प्रतिबद्ध करें

कहते हैं कि अगर शुरूआत अच्छा हो तो अंत भी अच्छा होता हैं. चाहे हम क्रिकेट की बात करे या पढ़ाई की बात करें. अभ्यास (Practice) करने से ही हुनर आता हैं. अच्छे अंक या ग्रेड पाने के लिए आपको मेहनत से पढ़ाई करनी चाहिए. अगर आपके ग्रेड क्लास या स्कूल में कम हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नही हैं. सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दे. ज्यादा से ज्यादा अभ्यास करें। अध्यापक की जो बाते समझ में नही आती हैं उसे अपने क्लास के अच्छे ग्रेड पाने वाले छात्रो से पूछे. पढ़ाई से सम्बन्धित कोई समस्या हैं तो अपने माता-पिता और गुरू से बात करने में बिलकुल भी न शर्मायें क्योकि कोई भी सफल या महान मेहनत करके ही बनता हैं।

पढ़ाई में कमजोर छात्र सिर्फ इसलिए कमजोर होता चला जाता हैं क्योकि उसके मन में निराशा घर बना लेती हैं. हमेशा इस बात को ध्यान रखना आपको ईश्वर ने इतनी शक्ति दी हैं कि आप इस दुनिया में किसी भी असम्भव कार्य को कर सकते हैं अगर आपको ख़ुद पर विश्वास हैं।

समय सीमा निर्धारित करें

एक छात्र के जीवन में समय का बड़ा ही महत्व होता हैं इसलिए समय का सदुपयोग करे। आपकी दिनचर्या में पढ़ाई के लिए समय निर्धारित होना चाहिए और निर्धारित समय में अपनी क्षमता का अधिक से अधिक प्रयोग करें। कई बार छात्र किताब लेकर बैठ जाते हैं पर उनका मन पढ़ाई में न लगकर कही और ही लगा रहता हैं जैसे कि खेल में, मोबाइल गेम या विडियो गेम देखने में, मूवी देखने में या किसी लड़की में. जीवन में हर चीज का होना जरूरी हैं पर किसी कार्य में इतना अधिक न डूबे कि आपकी पढ़ाई को नुकसान हो क्योकि शिक्षा ही आपके जीवन का आधार होता है।

शिक्षा अनुरूप जीवन होगा

पूरे दिन में, पढ़ाई करने के साथ-साथ खेलने के लिए, व्यायाम करने के लिए समय जरूर निकाले इनसे आपका दिमाग स्वस्थ होता हैं और आपका पढ़ाई में मन भी लगता हैं।

कुछ नया प्रयास करे

जब आप 10वीं या 12वीं में होते हैं तब यह वह समय होता हैं जब आपकी शारीरिक और मानसिक क्षमताएँ बहुत तेजी से विकास करती हैं. हमारे मन में बहुत सारे नये विचार आते हैं जिसे बहुत कम छात्र पूरा कर पाते हैं। जैसेकि लिखने का शौक, कोई खेल खेलने का शौक, कुछ नई चीज बनाने या सीखने का शौक, डांस का शौक, गाना गाने का शौक आदि बहुत सारे हैं।

अगर ऐसे शौक हैं तो अपने माता-पिता को जरूर बतायें और पढ़ाई के साथ-साथ अपने शौक पर भी समय दे, हो सकता हैं कि आपके जीवन में यह बड़ा बदलाव लाये आप इसी से महान बन जाए।

जीवन में आप किसी भी मोड़ पर हो कुछ न कुछ नया करने का प्रयास जरूर करें क्योकि हर क्रिया की एक प्रतिक्रिया होती हैं। नये साल पर कुछ नया सोचने, करने का प्रयास जरूर करें।

लक्ष्य निर्धारित करें

भारत में 80% छात्र ऐसे होते हैं जिसे लक्ष्य निर्धारित करने में बहुत बड़ी कठिनाई का सामना करना पड़ता हैं. इसकी सबसे बड़ी वजह धन का अभाव, जानकारी का अभाव, माता-पिता का पढ़ाई के प्रति उदासीनता आदि कारण हैं. कुछ छात्र आर्थिक समस्या के कारण अपनी पढ़ाई भी पूरी नही कर पाते हैं. मैं ऐसे छात्रो की बात कर रहा हूँ जो मिडिल क्लास फैमिली से आते हैं. ऐसे छात्र बहुत मेहनती होते हैं और ज्यादातर सफल भी होते हैं. सही लक्ष्य न निर्धारित कर पाना भी छात्रो की असफ़लता का कारण बन जाता हैं.

अगर आप स्नातक या पर-स्नातक कर रहे हैं और आपको अपने लक्ष्य के बारे में पता नही हैं तो अपने गुरू (टीचर) के मदद ले, क्लास के पढ़ाई में तेज छात्रो से सलाह ले और फिर अपनी सूझ-बूझ से अपनी कमियों और खूबियों को देखते हुए लक्ष्य का निर्धारण करे. नये साल पर अपने लक्ष्य को जरूर निर्धारित करें.

आत्म-संदेह को हटा दें

स्नातक या पर-स्नातक में जब हम होते हैं तो बहुत सारे विचार हमारे मन में चलते हैं और कई रूप से हम ख़ुद की तुलना क्लास के छात्रों से करने लगते हैं जिसकी वजह से निराशा के शिकार हो जाते हैं. सिर्फ पढ़ाई पर ध्यान दे क्योकि विद्या एक ऐसी चीज हैं जिसे खरीदा नही जा सकता हैं बाकी सारी चीजे खरीदी जा सकती हैं. इस पर ये आपके दिमाग में हमेशा होना चाहिए कि आपको ईश्वर ने जैसे भी बनाया हैं बहुत बेहतर बनाया हैं. अपनी कमियों की बजाय अपनी खूबियों के बारे में सोचे।

अच्छे दोस्त बनाएँ

जीवन में सफल होने में अच्छे दोस्त हमेशा मदत करते हैं और सफलता का ये सफर आपके लिए काफी आसान हो जाता हैं इसलिए कम दोस्त बनाये पर अच्छे दोस्त बनाये. जो आपको समय-समय पर पढ़ाई के लिए उत्साहित (Motivate) कर सके और प्रेरणा (Inspiration) दे सके. इस नये साल में एक अच्छा दोस्त जरूर बनाये जो आपको सकारात्मक सोचने के लिए प्रेरित करता हो।

संतुलित आहार ले

स्वस्थ होना बहुत ही जरूरी होता हैं. जीवन में सफल होने के लिए या किसी कार्य को बेहतर तरीके से करने के लिए स्वास्थ का बड़ा ही महत्व होता हैं. छात्रों के स्वास्थ का असर उनकी पढ़ाई पर ही पड़ता हैं इसलिए उचित आहार और नियमित व्यायाम से खुद को स्वस्थ रखने का संकल्प जरूर ले।

कम खर्च करें

अपने खर्चो को कम रखने की कोशिश करें. अगर आप एक छात्र हैं तो कोशिश करें कि आपका अधिक्तम खर्च केवल और केवल पढ़ाई पर ही होना चाहिए. बचत करने की आदत भविष्य में आपके लिए वरदान साबित होता हैं. अगर आप अधिक खर्च करते हैं तो आप इस साल अपने खर्चे को कम करने की कोशिश करें.

नयी और अच्छी किताबें पढ़े

किताबों को पढ़ने से हमें बहुत ज्यादा अनुभव और नई चीजों के बारें में जानकारी मिलती हैं इसलिए अच्छी किताबें जरूर पढ़े. एक किताब को लिखने में एक लेखक अपने जीवन के पूरे अनुभव को लगा देता हैं.

One click multiple solutions

Affordable Quality Excellence in Tech Services
SONY acer DELL hp ASUS TOSHIBA COMPAQ
- Virus Protection - Slow Computer
- Windows 10 / 11 - Laptop Screen Repair
- Memory Upgrades - Laptop Repair
- Computer Crash - Custom Builds
- Software Upgrade - PC Assembling
- Hardware Upgrade - And Many More...
Computer / Laptop Repair
Contact: 9312863480

REQUIRED
1. DTP Operator for fortnightly (HINDI)
2. YOUTUBE Operator (FULLTIME) * CHANDIGARH BASED *
PANCHKULA OFFICE
CONTACT US
9878274172
Email: purnoorv@gmail.com

REQUIRED
Home Tutors, All Classes
Mail Your Resume (along with latest passport size Photo) to
totaltutorials4@gmail.com
CONTACT
7973994556
9878274172

WOMEN'S GALLERY
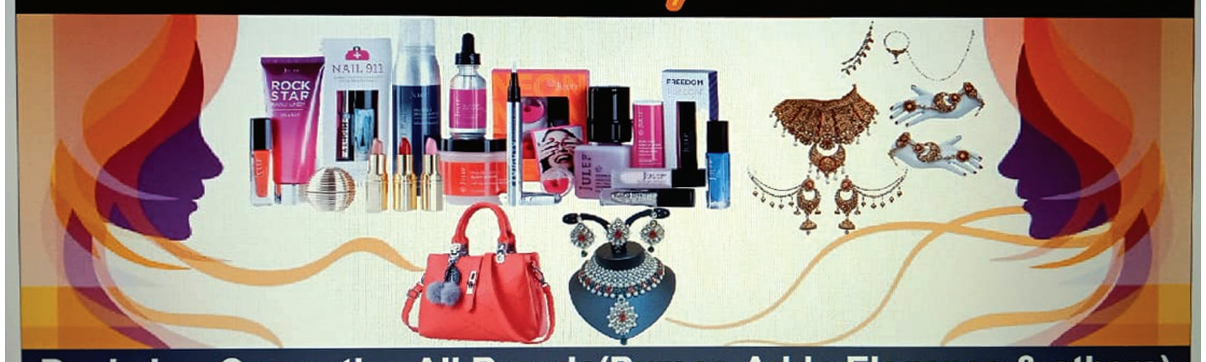
Deals in:- Cosmetics All Brands(Purses-Addo,Elegance & others)
Under Garments-Bodycare,Kidley,Jockey,Kalyani & Ors(Jewellery-Imitation,A.D,Kundan,Afgani & Many More)
SCO-14,Hermitage Centralis,VIP Road,Zirakpur,(P.B)140603 98880-11938,73076-16194

MEDITECH EDUCATION
CONSULTANTS & ADVISORS
For Medical and Para Medical courses from UGC approved Universities
Contact:
8194959372

ONLINE / Home Tutions
COMMERCE CLASSES
SUBJECTS:
Accountancy, Economics, Business Studies
CLASSES:
11TH, 12TH, B.COM, B.BA
By Qualified & experienced teachers
1 FREE DEMO CLASS
CONTACT NO.
6280972022

NOSHERSS
A Newely Opened fast food Outlet

ShowRoom No. 16 Hermitage Centralis
- 7889182136 Near Maya garden 3,VIP Road Zirkpur - 9910311737
Available on zomato SWIGGY

स्वामी मुद्रक प्रकाशक संपादक : कोरल ने इंडियन एक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड प्लाट नंबर 5, सेक्टर 6 पंचकूला, हरियाणा से छपवा कर कार्यालय # 407/16 पंचकूला 134108 हरियाणा से मुद्रित किया। RNI:HARMIN11362
Website : www.demokraticfront.com, E-mail : democraticfront2021@gmail.com